वर्ष : 17 ❖ अंक : 293 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 01 जून 2023

दोषी हुआ तो फांसी चढ़ जाऊंगा : बृजभूषण सिंह 3

विपक्ष ने गौरव के क्षण को 'विरोध' की भेंट चढ़ा दिया : पीएम मोदी 8

हमारी इच्छाशक्ति के कारण कोविड महामारी के बावजूद हुए राज्य में विकास के कई कार्य : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 31 मई । सिक्किम की सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा सरकार की चौथी वर्षगांठ पर आज राजधानी के मनन केंद्र में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एसकेएम अध्यक्ष एवं राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इससे पहले उन्होंने मनन केंद्र परिसर में आईपीआर विभाग द्वारा राज्य सरकार द्वारा पिछले चार वर्षों में किये गये कार्यों को दर्शाते हुए आयोजित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बाद में मुख्यमंत्री एवं कैबिनेट सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की।

इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव वीबी पाठक ने विगत चार वर्षों में एसकेएम सरकार के कार्यों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। वहीं मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों ने केक काटकर सरकार गठन के चार वर्ष पूरे होने पर खुशी जाहिर की। इस दौरान मुख्यमंत्री तमांग ने उत्कृष्ट सेवा कार्य हेतु राज्य की श्रेष्ठ नर्सों को सम्मानित भी किया। इनमें नरमाया सुबेदी को प्रथम, कर्मो लेप्चा को द्वितीय और यांकिला भूटिया को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मानित की गईं नर्सों को पुरस्कार स्वरूप क्रमश: पांच लाख, तीन लाख और दो लाख नकद राशि के साथ प्रशंसापत्र प्रदान किए गए।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने अपनी सरकार के चार साल पूरे होने पर राज्यवासियों को बधाई देते हुए कहा कि सिक्किम की जनता ने अपना मत देकर उन्हें सत्ता प्रदान की है और लोगों के इस विश्वास को बरकरार रखते हुए वे बीते चार वर्षों से कुशलता से सत्ता चला रहे हैं। उन्होंने कहा, शुरू में कुछ लोगों ने इस सरकार की वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा था कि यह जल्द ही बिखर जाएगी, लेकिन उनकी यह मंशा पूरी नहीं हुई। मुख्यमंत्री बनने का कोई लक्ष्य नहीं रहने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि विधायक दल ने ही उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए चुना और उन्हें इस पद पर सिक्किम की सेवा करने का अवसर मिला। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनकी जगह किसी और को मुख्यमंत्री चुना जाता, तो भी वह उसे हंसते हुए स्वीकार कर लेते। इसके साथ ही उन्होंने अपनी सरकार के चार वर्षों के दौरान राज्य के विकास हेतु किए गए कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस सफलता में सबका साथ रहा और आगे भी इसे टीम सिक्किम के रूप में काम करते रहना चाहिए। उन्होंने सरकार संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ग्रुप सी एवं डी कर्मचारियों पदोन्नति देना शुरू करने की घोषणा भी की।

वहीं, वर्ष 2009 में वैचारिक मतभेदों के कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री के खिलाफ आवाज उठाने का स्मरण करते हुए उन्होंने बताया कि उस समय किसी ने उनकी बात पर विश्वास नहीं किया था। हालांकि नया सिक्किम बनाने में उनकी इस यात्रा में उन्हें कई लोगों ने उनका समर्थन प्राप्त हुआ, जिनका वे नमन करते हैं। मुख्यमंत्री गोले ने आगे कहा कि जब सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की सरकार बनी तो जनता एवं अधिकारी, सभी को चिंता थी कि नई सरकार क्या करेगी। लेकिन वर्तमान सरकार ने विभिन्न योजनाओं को इस विचार के साथ पेश किया है कि सरकारी कर्मचारी हमेशा उच्च स्तर पर रहें। उनके अनुसार, जब किसी राज्य में नई सरकार बनती है, तो पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं को निरस्त कर दिया जाता है। लेकिन एसकेएम सरकार बनने के बाद पिछली एसडीएफ सरकार द्वारा बनाई गई अच्छी योजनाओं को भी आगे बढ़ाया गया है।

इसके साथ ही अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री गोले ने एसकेएम शासनकाल के दौरान राज्य के राजस्व में कमी के आरोपों का जवाब देते हुए राजस्व आंकड़े भी पेश किए। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2018-19 में राज्य का राजस्व 1555.76 करोड़ रूपए था जो वर्ष दर वर्ष बढ़ते हुए वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 2441.09 करोड़ रुपए पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2018-19 की तुलना में 57 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अलावा उन्होंने राजस्व को और बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा कार्य किये जाने के बारे में कहा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने 10 हजार करोड़ रुपये खर्च कर राज्य में विभिन्न ढांचागत सुविधाओं का निर्माण किया है। उन्होंने सरकार बनने के तुरंत बाद आई कोविड महामारी के बावजूद इच्छशक्ति की बदौलत किए गए कई विकास कार्यों का भी जिक्र किया।

इसके अलावा, विगत चार वर्षों में सिक्किम द्वारा देश भर में कई मिसालें कायम करने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने बताया कि राज्यवासियों के लिए सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के कारण ही पूरे देश भर के हैप्पीनेस इंडेक्स में सिक्किम पांचवें और पूर्वोत्तर राज्यों में दूसरे स्थान पर है। वहीं, सुशासन के मामले में केंद्रीय सूचकांक में सिक्किम पहले स्थान पर है। इसी तरह राज्य की गरीबी में भी 3.82 प्रतिशत की कमी आई है। इसी तरह उन्होंने सिक्किमी नेपालियों पर विदेशी होने के कलंक या सिक्किम को गरीब बनाने वालों के खिलाफ खड़ा होने का जिक्र किया।

समारोह का संचालन मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सीपी शर्मा ने किया। इस अवसर पर एसकेएम सरकार के चार वर्षों में किये गये विकास कार्यों की एक विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई।

सिक्किम से सांसदों व विधायकों की बढ़नी चाहिए संख्या : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 31 मई । सिक्किम सरकार के चार वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर आज मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने राज्य से और अधिक सांसदों के होने की बात उठाई है। स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य सरकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि राज्य में अब दो नए जिले गठित हुए हैं। ऐसे में यहां से सांसदों की संख्या भी बढ़नी चाहिए।

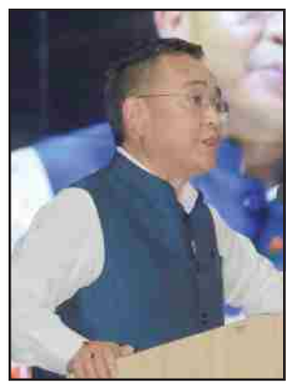

मुख्यमंत्री गोले ने सुझाव देते हुए कहा, चूंकि दो और नए जिले होने के साथ सिक्किम में अब 6 जिले हो गए हैं। ऐसे में अब राज्य से सांसद भी बढ़ना चाहिए। पहले, सिक्किम में केवल 4 जिले थे, तब राज्य से एक ही सांसद है। लेकिन अब छह जिलों में से प्रत्येक तीन जिलों के लिए हमारा एक सांसद हो सकता है।

वहीं, राज्य सरकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में बेहतर समन्वय हेतु उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'टीम इंडिया' के आह्वान की तरह सामूहिक रूप से 'टीम सिक्किम' के रूप में कार्य करने का आग्रह किया। वहीं, उन्होंने इन चार वर्षों में नई सरकार के साथ समन्वय और सहयोग हेतु सरकारी कर्मचारियों को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा, हम पर एक 'एडहॉक सरकार' जैसे ताने कसे गये थे और कहा गया था कि यह एक साल भी नहीं चलेगी। लेकिन ऐसी आलोचनाओं को प्रेरणा के रूप में लेते हुए हमने अपने सरकारी कर्मचारियों के मार्गदर्शन में अब चार साल तक सफल शासन किया है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी स्वीकार करते हुए कहा कि चौथे वर्ष का यह जश्न शासन के अंतिम पांचवें एवं चुनावी वर्ष की शुरुआत भी है। ऐसे में उन्होंने सरकारी कर्मचारियों से चार वर्षों के अपने शासनकाल को देखने का आग्रह करते हुए कहा कि इन चार वर्षों में हमने पिछली सरकार द्वारा छोड़ी गई कई योजनाओं और कार्यों को भी आगे बढ़ाया है। हमने अपने मन में बदले की भावना से किसी भी सरकारी कर्मचारी को प्रताड़ित नहीं किया है।

राज्यपाल का दो दिवसीय पाकिम दौरा सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 31 मई । सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने पाकिम जिले की दो दिवसीय यात्रा के साथ आज अपने 'गांव में राज्यपाल' अभियान का सफलतापूर्वक समापन किया। इस दौरान राज्यपाल ने जिले के विभिन्न स्थानों का दौरा किया। उनके साथ विधायक केबी राई, पाकिम एडीसी अनूपा तामलिंग, रंगली एसडीएम, एसडीपीओ, पंचायत सदस्य और अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी भी थे।

जानकारी के अनुसार, आज राज्यपाल सबसे पहले मांगखिम आरिटाड़ पहुंचे, जहां प्रार्थना कर उन्होंने मंगपा से आशीर्वाद लिया। वहां, उन्होंने किरात राई मांगखिम में जारी पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया। इसके अलावा, राज्यपाल ने इलाके के होमस्टे निवासियों के साथ बातचीत की और इन व्यवसायों को चलाने के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। वहीं उन्होंने होमस्टे में रहने वाले पर्यटकों एवं अन्य लोगों के अनुभवों को जानने हेतु उनके साथ बातचीत भी की। इसके बाद राज्यपाल पालजोर चोलिंग मठ भी गये और उसकी स्थापना एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इसके अतिरिक्त राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य आरिताड़ स्थित लाम पोखरी झील भी गये, जहां उन्होंने स्थानीय स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों के स्टालों को देखा और उनकी समस्याओं के बारे में जाना। इस अवसर पर उन्होंने पाकिम जिला प्रशासन के अधिकारियों को राज्य के विकास को आगे बढ़ाने हेतु जैविक खेती में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अंत में राज्यपाल किंगस्टोन चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूट भी गये। इस संक्षिप्त यात्रा के दौरान उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए वसुधैव कुटुम्बकम की अभिव्यक्ति को नियोजित करके एकता के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने सीसीआई के शिक्षकों और कर्मचारियों की भूमिका की प्रशंसा करते हुए वहां चॉकलेट और पानी के फिल्टर वितरित किए।

जिला टास्क फोर्स टीकाकरण की समन्वय बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 31 मई । जिला स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग द्वारा डीएसी सभागार में जिला टास्क फोर्स टीकाकरण सह जिलास्तरीय स्कूल स्वास्थ्य समन्वय बैठक आयोजित की गई। एडीएम धीरज सुबेदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में एडीसी विकास गायस पेगा, जिला डीआरसीएचओ डॉ. पत्रिका राई, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. ईडन जाम्यांग भूटिया, जिला के प्रमुख जीडीएमओ डॉ. अंबर सुब्बा, उप शिक्षा निदेशक एमके खेवा के अलावा सोरेंग गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रिंसिपल डॉ पीबी छेत्री, सीडीपीओ श्रीमती गौरी तमांग एवं अन्य स्वास्थ्य एजुकेटर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर एडीएम ने जिले ने टीकाकरण में अच्छा कार्य किये जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रशासनिक स्तर से स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम पर ध्यान देकर डायरिया से होने वाली मौतों को रोका जा सकता है। इसके साथ ही 112 आकांक्षी जिलों में सोरेंग का 30वां स्थान होने की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि रेफरल यूनिट और विशेष सेवाओं की कमी जैसी कुछ बाधाएं दूर कर इसमें सुधार किया जाएगा।

साथ ही उन्होंने एक आकांक्षी जिला होने के नाते जिले में स्वास्थ्य और पोषण पर अधिक ध्यान दिये जाने की बात कही।

कार्यक्रम में डॉ अंबर ने जिले में नियमित टीकाकरण पर प्रस्तुति देते हुए विभिन्न टीकों की स्थिति के बारे में जानकारी दी। वहीं, डॉ ईडन ने खसरा और रूबेला (एमआर) उन्मूलन पर जानकारी देते हुए इनके बीच के अंतर, राज्य में एमआर उन्मूलन रोडमैप का अवलोकन, एमआर जोखिम मूल्यांकन एवं प्रमुख बिंदुओं के बारे में बताया। डॉ. पत्रिका ने सघन डायरिया नियंत्रण पखवाड़े पर अपनी प्रस्तुति में देश में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में डायरिया से होने वाली मौतों के कारणों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम पर भी प्रस्तुति देते हुए इसके उद्देश्यों, स्कूलों के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन एवं अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान बच्चों के स्वास्थ्य मुद्दों पर खुली चर्चा भी हुई।

ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा बैठक में बोले नीतीश कुमार- बेहतर सड़क होने से लोगों का आवागमन होगा आसान

'संसाधनों की जो भी आवश्यकता होगी उसे पूरा किया जायेगा'

पटना, 31 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने ग्रामीण सड़कों की अद्यतन स्थिति के साथ-साथ बिहार ग्रामीण पथ विभागीय अनुरक्षण नीति के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। 1,21,703 लक्षित बसावटों की संख्या में से 1,18,348 बसावटों में सम्पर्कता प्रदान की जा चुकी है और 3,355 बसावटों में सम्पर्कता प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना एवं अन्य राज्य योजना, ग्रामीण टोला सम्पर्क निश्चय योजना तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कुल 1,19,092 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। उन्होंने ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम के तहत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में नालंदा और वैशाली जिले में किये गये कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने आधुनिक तकनीक से पथों के निरीक्षण एवं अनुश्रवण कार्य प्रणाली के संबंध में भी जानकारी देते हुये बताया कि इससे कार्यान्वयन और गुणवता जांच बेहतर तरीके से होगा।

उन्होंने अनुरक्षण नीति की कार्ययोजना, पदों के सृजन, यंत्र-संयंत्र सामग्री की आपूर्ति, अनुरक्षण नीति की क्रियाविधि, गुणवत्ता सुनिश्चित करने की व्यवस्था, कार्यों का सघन अनुश्रवण सुनिश्चित करने आदि के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर सड़क होने से लोगों का आवागमन आसान होता है। ग्रामीण पथों का बेहतर रखरखाव विभाग द्वारा ही करायें, इसके लिए आवश्यकतानुसार जितने अभियंताओं और कर्मियों की जरूरत हो उनकी जल्द बहाली करायें। विभाग द्वारा जो पायलट प्रोजेक्ट के रूप में दो जिलों में कार्य करने की पूरी स्थिति दिखायी गयी है, उसे पूरे राज्य में क्रियान्वित करें। विभाग के लोग पथों के निर्माण और मेंटेनेंस के लिए सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे तो बेहतर सड़कों का निर्माण होगा और सड़कें मेंटेन भी रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसाधनों की जो भी आवश्यकता होगी उसे पूरा किया जायेगा। निर्माण कार्य में लगा विंग बेहतर कार्य योजना के साथ काम करेगा तो कार्यों की गुणवत्ता और बेहतर होगी। निर्माण के साथ-साथ मेंटेनेंस को लेकर पथों का स्थलीय निरीक्षण करते रहें। पुल-पुलियों का मेंटेनेंस भी बेहतर ढंग से हो। मेंटेनेंस विंग पथों का प्रभावी ढंग से निरीक्षण कर बेहतर मेंटेनेंस करेगा तो उसकी प्रशंसा सब जगह होगी। ग्रामीण कार्य विभाग बचे हुये टोलों के लिये भी पथों का निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करायें ताकि उनकी सम्पर्कता सुलभ हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हमलोगों ने बेहतर सड़क और पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। हमलोगों का उद्देश्य सिर्फ बेहतर सड़क और पुल-पुलियों का निर्माण कराना ही नहीं है बल्कि उसका अच्छे से मेंटेनेंस भी उतना ही जरूरी है। सड़कों की मरम्मति के साथ-साथ साफ-सफाई भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा मेंटेनेंस करवाने से खर्च में भी बचत होगी और लोगों को नौकरी और रोजगार के अवसर मिलेंगे।

बैठक में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, अभियंता प्रमुख अशोक कुमार मिश्रा, मुख्य अभियंता भागवत राम, आई0आई0टी0, इन्दौर के प्रोफेसर विमल भाटिया, आई0आई0टी0, कानपुर के प्रोफेसर रोहित पाण्डेय उपस्थित थे।

1.70 लाख शिक्षकों की बहाली का नोटिफिकेशन जारी, 15 जून से कर सकते हैं अप्लाई

पटना, 31 मई (का.सं.)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने 1 लाख 70 हजार 461 शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। शिक्षक नियुक्ति परीक्षा के लिए 15 जून से 12 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि रखी गई हैं। वहीं परीक्षा का आयोजन 19, 20, 26 और 27 अगस्त को किया जाएगा और इसी साल 2023 में रिजल्ट की भी घोषणा कर दी जाएगी।

बीपीएससी ने शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित नोटिफिकेशन मंगलवार रात को जारी किया। अभ्यर्थी बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट www.bpsc.bih.nic.in पर जाकर नोटिफिकेशन को डाउनलोड कर सकते है। जारी अधिसूचना के तहत प्राथमिक शिक्षकों की बहाली में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। बता दें कि कक्षा 1 से 5 तक के लिए 79 हजार 943 पदों पर भर्ती होगी। कक्षा 9 से 10 के लिए 32 हजार 916 पदों पर भर्ती होगी, जबकि कक्षा 11 से 12 के लिए 57 हजार 602 पदों पर भर्ती होगी। वहीं, आवेदन करने के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला और दिव्यांग के लिए 200 रुपए रखा गया हैं, जबकि सामान्य वर्ग के पुरुष और अन्य उम्मीदवारों लिए 750 रुपए रखा गया हैं।

शिक्षा विभाग से विचार-विमर्श के बाद आयोग के अध्यक्ष अतुल प्रसाद ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया के सभी बिंदुओं पर सहमति बन गई है। उन्होंने कहा कि सिलेबस का विस्तार नहीं हुआ हैं। प्राइमरी टीचर के सिलेबस वही है, जो वो पढ़ाते हैं। हालांकि कुछ बदलाव किए गए है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालय के लिए एससीईआरटी का सिलेबस होगा। मेधा सूची मेन पेपर पर तैयार होगी, भाषा के प्रासांक पर मेधा सूची नहीं बनेगी और एक पद के लिए एक ही मेन पेपर होगा। मेन पेपर में 120 नंबर के प्रश्न होंगे। अतुल प्रसाद ने बताया कि शिक्षक बहाली में सीटीईटी 23 अपीयरिंग कैंडिडेट्स भी अख्लाई कर सकेंगे।

वहीं आवेदकों की एक और मांग थी कि जो अपीयरिंग उम्मीदवार है, उनको भी मौका मिलना चाहिए। इसको लेकर उन्होंने कहा कि जो अपीयरिंग उम्मीदवार हैं, उनके लिए 31 अगस्त 2023 तक मौका दिया जाएगा। इसमें डीएलएड और बीएड दोनों ही अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा, लेकिन आयोग द्वारा मांगे जाने पर अपीयरिंग आवेदकों को अपनी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों को दिखाना होगा। अतुल प्रसाद ने कहा कि पहले मेन पेपर 150 नंबर के होते थे लेकिन अब मेन पेपर में 120 प्रश्न ही होंगे। जबकि भाषा 100 नंबर का होगा। उन्होंने कहा कि कट ऑफ डेट 31 अगस्त 2023 होगा।

बीएसईबी टॉपरों के लिए बिहार सरकार ने खोला खजाना

फ्री में इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी, रहना-खाना सब मुफ्त

हाजीपुर, 31 मई (का.सं.)। बीएसईबी टॉपरों के लिए खुशखबरी है। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने मैट्रिक टॉपर छात्र-छात्राओं को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि सीएम नीतीश कुमार के निर्देशानुसार इस वर्ष के मैट्रिक में टॉपर हुए छात्र-छात्राओं को इंजीनियरिंग और मेडिकल की मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। आगे भी ये व्यवस्था जारी रहेगी। आनंद किशोर ने बताया कि टॉपर्स के लिए इस वर्ष से मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले बच्चों के लिए नि:शुल्क हॉस्टल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बांकीपुर गर्ल्स स्कूल में टॉपर छात्राओं के रहने और पटना कॉलेजिएट स्कूल में टॉपर छात्रों के रहने की व्यवस्था की जाएगी।

बुधवार को पटना में पत्रकारों से बात करते हुए आनंद किशोर ने बताया कि सीएम नीतीश कुमार ने मार्च महीने में ही यह निर्णय लिया था। आनंद किशोर के मुताबिक, सीएम ने कहा था कि जो छात्र-छात्राएं मेधावी हैं, उनकी बेहतर शिक्षा के लिए मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई फ्री में होनी चाहिए। सीएम नीतीश कुमारे के निर्देशानुसार, हम लोगों ने तैयारी की और इस साल से शुरुआत करने का निर्णय लिया। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि पांच जून से आवेदन आवंटित किए जाएंगे। जुलाई महीने से पढ़ाई की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों के आधार पर छात्र छात्राओं का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चयनित छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी।

बीएसईबी अध्यक्ष ने बताया कि इस योजना के तहत आवास की व्यवस्था, किताब और कोचिंग के साथ ही रहने और खाने-पीने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह सारी व्यवस्था बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के टॉपर छात्र-छात्राओं के लिए है। आनंद किशोर ने बताया कि छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिए कोई भी स्टडी मैटेरियल नहीं लेना होगा। सारी व्यवस्था बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से की जाएगी। उन्होंने कहा कि हॉस्टल में कमरे के अलावा एक अतिरिक्त स्टडी रूम की भी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि सारा खर्च बिहार सरकार उठाएगी।

आनंद किशोर ने बताया कि मेडिकल आर इंजीनियरिंग पढ़ाने वाले अनुभवी शिक्षकों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वैसे शिक्षक जो पूर्व में मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करवा रहे हैं, वैसे ही शिक्षकों का चयन किया जाएगा। इसके लिए विज्ञापन निकाला जाएगा, उसके बाद योग्यता के आधार पर चयन किया जाएगा।

मंत्री तेज प्रताप यादव पहुंचे पटना जू, कहा- हर कोई गर्मी से बेहाल, जानवरों का जीना भी मुहाल

पटना, 31 मई (का.सं.)। चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी की वजह से पटनावासियों का बुरा हाल है। राजधानी मुख्य मार्गों पर सन्नाटा पसरा है। लोग अपने घरों में बंद हैं। इसी बीच बिहार सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री और लालू प्रसाद के बड़े तेज प्रताप याव एक बार फिर चर्चा में आ गए। तेज प्रताप अचानक बुधवार दोपहर पटना जू पहुंच गए। यहां उन्होंने औचक निरीक्षण किया। इसके बाद जू के अधिकारियों से बातचीत की। फिर कहा कि जहां भी नजर जाए हर कोई गर्मी से बेहाल है। फूल पत्ते मुरझाए और जानवरों का जीना भी मुहाल है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए आज पटना जू का औचक निरीक्षण करने का काम किया गया है। इस दौरान पशु-पक्षियों को गर्मी में मिलने वाली सुविधाओं का भी जायजा लिया। पटना जू के अधिकारियों को पशु-पक्षियों की अच्छी तरह से देखभाल का निर्देश दिया गया है।

दरअसल इसी साल फरवरी माह में मंत्री तेज प्रताप पटना जू पहुंचे थे। वहां अलग-अलग केज में जाकर अधिकारियों से जानवरों के बारे में जानकारी ली। इसी दौरान वह चिंपैंजी के केज में पहुंचे। यहां उन्होंने चिंपैंजी को केला खाने के उद्देश्य से उसकी ओर केला फेंका। चिंपैंजी ने केला खाने की बजाय उसे तेज प्रताप की तरफ फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद बाद तेज प्रताप यादव ने केला देना छोड़ दिया।

इससे पहले 25 मई को तेज प्रताप यादव चर्चा में आए थे। उस वक्त उनके चर्चा में रहने का कारण बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस काजोल बनी थीं। भगवान श्री कृष्ण के भक्त तेज प्रताप यादव ने इस फेमस एक्ट्रेस के स्टैच्यू के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इसमें तेज प्रताप स्टैच्यू की कमर पर हाथ रखकर फोटो क्लिक कराते हुए दिखे थे। इसके बाद कुछ लोग उन्हें ट्रोल करने लगे रहे तो समर्थक तेज प्रताप को सेलिब्रेटी कह रहे थे।

पटना में भ्रष्टाचारियों की बैठक 12 जून को : विजय सिन्हा

'स्कूल में बेंच और डेस्क नहीं सरकार सुरंग खुदवा रही'

पटना, 31 मई (का.सं.)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बीजेपी पटना में होने वाले विपक्षी दलो की बैठक का विरोध करेगी। उन्होंने नीतीश सरकार से यह भी पूछा कि 106 साल पुराने संग्रहालय को नए संग्रहालय के अधीन क्यों किया जा रहा है। उन्होंने नए संग्रहालय से पुराने संग्रहालय के बीच सुरंग को गैर जरूरी बताते हुए कहा कि इसका क्या लाभ होगा? उन्होंने सवाल उठाया कि 106 साल के पुराने संग्रहालय को नए संग्रहालय के अधीन करने से क्या लाभ होगा?

बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आज प्रदेश के स्कूल में बेंच, डेस्क नहीं है। स्कूलों के पास अपना भवन नहीं है और सरकार संग्रहालय को जोड़ने के लिए सुरंग खोदवाने की योजना बना रही है। नेता प्रतिपक्ष ने राष्ट्रीय धरोहरों को स्थानांतरित किए जाने के खेल की न्यायिक आयोग बनाकर न्यायिक जांच कराने की भी मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पटना में विपक्षी दलों के 12 जून को होने वाली बैठक का बीजेपी विरोध करेगी। उन्होंने पटना में होने वाले बीजेपी विरोधी 18 राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक को भ्रष्टाचारियों की बैठक करार दिया है। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि जेपी की धरती पर भ्रष्टाचारियों की बैठक का भाजपा विरोध करेगी। विजय कुमार सिन्हा ने यह भी कहा कि बीजेपी विरोध स्वरूप जेपी निवास से लेकर पटना तक भ्रष्टाचार मुक्त आंदोलन की शुरुआत करेगी।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भ्रष्टाचारियों ने परिवारवाद के नाम पर अकूत संपत्ति बनाई है। अब भ्रष्टाचारियों का चारागाह बनाने की तयारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा कतई ऐसा नहीं होने देगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जेपी ने इसी धरती से कांग्रेसमुक्त भारत बनाने का ऐलान किया था। आज भाजपा उन्ही के अधूरे सपने को पूरा करने में जुटी है। विजय कुमार सिन्हा ने बिहार के छात्रों और बेरोजगार युवकों के पलायन के लिए भी बिहार सरकार को आड़े हाथों लिया।

बिहार में होगा पीएम मोदी का कार्यक्रम, पिछड़ों को मुख्य धारा में लाना ही बीजेपी का काम : सम्राट चौधरी

पटना, 31 मई (का.सं.)। भाजपा ने नेताओं ने अहिल्याबाई होलकर की जयंती एवं संतराम बी .ए. प्रजापति की पुण्यतिथि मनाई। प्रदेश कार्यालय के कैलाशपति मिश्र सभागार में भाजपा के सभी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित हुए। इसमें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, संगठन महामंत्री भिखूभाई दलसानिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नंदकिशोर यादव सहित अन्य नेतागण मौजूद थे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि 9 साल बेमिसाल के कार्यक्रम को भाजपा आगे बढ़ा रही है। 30 मई से लेकर 30 जून तक इस कार्यक्रम को हमलोगों करेंगे। इसमें देश के प्रधानमंत्री मोदी के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी कार्यक्रम होगा। हमलोगों ने बिहार और देश के लिए क्या किया, इसपर जरूर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में भाजपा बड़ी रैली का आयोजन करेगी। सम्राट चौधरी ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि माता अहिल्याबाई ने बाबा विश्वनाथ के मंदिर को पूरी तरह व्यवस्थित करने का काम किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने माता अहिल्याबाई होल्कर के रास्ते पर चलकर उनके काम को पूरा कर रहे हैं। संतराम बी .ए. प्रजापति वह व्यक्ति थे, जो सवा सौ साल पहले वह ग्रेजुएट हुए। मिट्टी को आकार देने वाले समाज के लोग उस समय आगे बढ़ चुके थे। लेकिन, आज क्या कारण है कि वह पीछे हैं। समाज के पिछड़े वर्ग को मुख्य धारा में लाना ही हमारा काम है।

आज बिहार को उस राह पर ले जाना है और देश का एक-एक वर्ग जो पीछे छूट गया, उसे आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी लगातार इसका प्रयास कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि इस देश को श्रेष्ठ बनाना है। 9 साल बेमिसाल के कार्यक्रम को भाजपा आगे बढ़ा रही है।

लोग चर्चा करते हैं बिहार में क्या हुआ? मैं कहना चाहूंगा कि आप बिहार में जितने पुल देख रहें हैं, चाहे वह सोन ब्रिज हो या गांधी सेतु। गांधी सेतु का रीस्ट्रक्चर करने का काम करीब 2200 करोड़ लगाकर नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया। मोकामा में रेलवे का ब्रिज या रोड ब्रिज, साहेबगंज और कटिहार को जोड़ने के काम समेत कई ब्रिज पर काम चल रहा है, यह मोदी सरकार की देन है। बिहार में एक्सप्रेस वे की योजना पर भी मोदी सरकार काम कर रही है।

बिहार में अपराध चरम पर, नीतीश पीएम बनने की ख्वाहिश लेकर देश के दौरे में व्यस्त : चिराग

बेगूसराय, 31 मई (नि.सं.)। लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और सांसद चिराग पासवान ने एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। चिराग पासवान ने कहा है कि आज बिहार में अपराध चरम पर है। शराब से लोगों की मौत हो रही है। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने की ख्वाहिश लिए पूरे देश के दौरे में व्यस्त हैं। उनको बिहार के विकास और बिहार वासियों की सुरक्षा से कोई मतलब नहीं है।

चिराग ने सिमरिया में हुए शिलान्यास पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा की इतिहास निकाल कर देख लिया जाए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिन भी योजनाओं का शिलान्यास किया है, उनकी क्या स्थिति है। या तो वह अधर में लटक गए या फिर सरजमीं पर वह फलीभूत नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि आज अगर मुख्यमंत्री के साथ निश्चय योजना की बात करें तो जमीनी हकीकत ठीक विपरीत है। मुख्यमंत्री ने सात निश्चय योजना के तहत सिर्फ बिहार को ठगने का काम किया है।

सांसद चिराग ने कहा कि जिस वक्त उनके पिता रामविलास पासवान रेल मंत्री थे, उसी वक्त हाजीपुर बछवारा रेलवे लाइन दोहरीकरण का उद्घाटन हुआ था। तब तत्कालीन रेल मंत्री रामविलास पासवान ने लोगों से वादा किया था कि इस मार्ग से जितनी भी गाड़ियां जाएंगी, उनका

ठहराव बछवारा में होगा। लेकिन आज अधिकांश गाड़ियां ऐसी हैं जिनका ठहराव बछवारा जंक्शन पर नहीं है। चिराग ने लोगों से वादा किया कि इस बारे में रेल मंत्री से बात की जाएगी और उनके पिता के द्वारा किए गए वादे को सफल बनाने की कोशिश की जाएगी।

दरअसल, चिराग पासवान बुधवार को बेगूसराय में बछवारा प्रखंड के आजाद नगर पहुंचे थे। यहां उन्होंने वीर चौहरमल पूजा और मेले में भाग लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और लोगों ने उनका स्वागत भी किया।

जगदीश शेट्टर से मिले शिवकुमार, कहा कांग्रेस उनके साथ है

धारवाड़, 31 मई (एजेन्सी)। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें बताया कि पार्टी उनके साथ है। मुलाकात के बाद वो संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। हालांकि शिवकुमार ने भविष्य में जगदीश शेट्टर को दिए जाने वाले पद या जिम्मेदारी को लेकर कोई खास जवाब नहीं दिया।

शिवकुमार ने कहा, जगदीश शेट्टर से मिलने का उद्देश्य इस बात को याद करना था कि कांग्रेस में शामिल होकर उन्होंने पार्टी को ताकत दी है। कोई भी जो कांग्रेस पार्टी के साथ उसके कठिन समय में खड़ा होगा, पार्टी उसके साथ खड़ी रहेगी। उन्हें साहस बरकरार रखना है और जिम्मेदारी निभाते हुए काम करना है।

यह भी पार्टी आलाकमान का एक संदेश है और राज्य इकाई के अध्यक्ष की हैसियत से मैं यहां एआईसीसी अध्यक्ष द्वारा मुझे बताई गई कुछ बातों को व्यक्तिगत रूप से बताने आया हूं। भविष्य में, इस क्षेत्र में और पूरे राज्य में नेता पार्टी को मजबूत करेंगे।

शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जगदीश शेट्टर के साथ है। उन्होंने कहा, मैं इस समय इस पर चर्चा नहीं करूंगा कि उन्हें क्या जिम्मेदारी दी जाएगी। हम इसे गुप्त रूप से भी नहीं करते हैं। हम इसकी घोषणा करेंगे।

शिवकुमार ने कहा, उनके जरिए हमारी पार्टी को काफी मजबूती मिली है। जगदीश शेट्टर, लक्ष्मण सावदी, पुत्तन्ना, शिवलिंग गौड़ा, श्रीनिवास, चिनाचनसुर ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर ताकत दी है। राजनीति में हार-जीत आम बात है।

शिवकुमार ने मंगलवार देर रात बेलागवी में पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी के आवास का भी दौरा किया था। लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर शिवकुमार के साथ थे।

जगदीश शेट्टर भाजपा से नाता तोड़ कर हुबली-धारवाड़ सेंट्रल सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े थे लेकिन हार गए।

शांति बहाल करने के लिए त्रि-स्तरीय रणनीति पर काम कर रहा केंद्र, शाह बोले- तुरंत खत्म होनी चाहिए हिंसा

इंफाल, 31 मई (एजेन्सी)। मणिपुर में स्थायी शांति बहाल करने के लिए केंद्र मैतेई और कुकी समुदायों के बीच त्रिस्तरीय रणनीति पर काम कर रहा है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। संकटग्रस्त राज्य का दौरा कर रहे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हिंसा तुरंत खत्म होनी चाहिए और पूर्वोत्तर राज्य में जल्द से जल्द शांति बहाल की जानी चाहिए।

घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सरकार मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए त्रि-स्तरीय रणनीति पर काम कर रही है। इनमें प्रभावित लोगों के साथ बातचीत करना और उन लोगों का पुनर्वास करना शामिल है जिन्हें अपना घर छोड़ना पड़ा है। इसके अलावा रणनीति के तहत सुरक्षा बढ़ाने व विद्रोहियों पर नियंत्रण किया जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती मैतेई और कुकी समुदायों के बीच भरोसा पैदा करना है। इसलिए केंद्र मणिपुर में समाज के हर वर्ग तक पहुंचने के सभी प्रयास कर रहा है और उन्हें स्थायी शांति के लिए एक साझा बिंदु पर लाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस बात को लेकर चिंता है कि कई उग्रवादी अपने तय शिविरों से दूर चले गए हैं और उन्हें वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बल सभी समुदायों के सदस्यों से यह भी कह रहे हैं कि यदि उनके पास हथियार हैं तो उन्हें सौंप दें। मैतेई और कुकी दोनों समुदायों के जिन प्रभावित लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाया गया था, वे अपने घरों में लौटना चाहते हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रशासन को निर्देश दिया जा रहा है कि उन्हें सुरक्षित माहौल मुहैया कराए ताकि वे अपना सामान्य जीवन फिर से शुरू कर सकें। शाह समाज के सभी वर्गों से बात कर रहे हैं और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं।

गृह मंत्री ने कहा है कि मणिपुर की शांति और समृद्धि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को शांति भंग करने वाली किसी भी गतिविधि से सख्ती से निपटने का निर्देश दिया है। पूर्वोत्तर राज्य में तीन मई को जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद यह पहला मौका है जब शाह मणिपुर का दौरा कर रहे हैं। तब से राज्य में छिटपुट हिंसा हो रही है। अधिकारियों के अनुसार झड़पों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है।

हिंसा पहली बार तब भड़की जब तीन मई को राज्य के पहाड़ी जिलों में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' का आयोजन किया गया।

हिंसा से पहले कुकी समुदाय के ग्रामीणों को आरक्षित वन भूमि से बेदखल करने को लेकर तनाव पैदा हो गया था।

'अगर सरकार चाहेगी तो खिलाड़ी पैसे भी वापस कर देंगे', पहलवानों को लेकर बोले विजेंदर सिंह

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। भारत के मुक्केबाज और कांग्रेस नेता विजेंदर सिंह ने पहलवानों द्वारा मेडल लौटाए जाने पर कहा कि अगर सरकार का इससे भी मन नहीं भरता है तो खिलाड़ी पैसे भी वापस कर देंगे। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के समर्थन में आए विजेंदर सिंह ने कहा कि अगर सरकार चाहेगी तो खिलाड़ी पैसे भी वापस कर देंगे।

दरअसल ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और राष्ट्रमंडल खेल मेडलिस्ट विनेश फोगाट ने मंगलवार को कहा था कि वे अपने-अपने पदक गंगा में विसर्जित कर देंगे, हालांकि उन्होंने ऐसा नहीं किया और किसान नेता राकेश टिकैत को अपने मेडल देकर हरिद्वार से वापिस लौट आए। प्रदर्शन कर रहे पहलवान जैसे अपने विश्व और ओलंपिक पदक गंगा नदी में बहाने को तैयार हुए वैसे ही हर की पौड़ी पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई।

खाप और राजनेताओं के अनुरोध के बाद करीब पौने दो घंटे हर की पौड़ी पर बिताने के बाद पहलवान वापिस लौट आए। किसान नेता शाम सिंह मलिक और नरेश टिकैत ने मामले को सुलझाने के लिये पहलवानों से पांच दिन का समय मांगा है। बता दें कि पिछली बार जब पहलवान धरने पर बैठे थे तब उन्होंने विजेंदर सिंह को यह कह कर मंच से नीचे उतार दिया था कि वे अपने आंदोलन को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहते लेकिन इस बार उन्होंने सभी दलों से समर्थन की मांग की और कहा कि अब कोई भी हमारे साथ धरना प्रदर्शन कर सकता है।

दोषी हुआ तो फांसी चढ़ जाऊंगा : बृजभूषण सिंह

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर पहलवानों के आरोपों पर पलटवार किया है

बृजभूषण शरण सिंह बुधवार को बाराबंकी में एक जनसभा में महिला पहलवानों के आरोप पर जमकर बरसे।

सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने आज एक जनसभा में कहा, मैंने कहा था कि अगर एक भी आरोप मेरे ऊपर साबित हो जाएगा तो मैं स्वयं फांसी पर लटक जाऊंगा। आज भी मैं उसी बात पर कायम हूं। 4 महीने हो गए वो मेरी फांसी चाहते हैं लेकिन सरकार मुझे फांसी नहीं दे रही है तो वो (पहलवान) अपना मेडल लेकर गंगा में बहाने जा रहे हैं। मुझ पर आरोप लगाने वालों गंगा में मेडल बहाने से बृज भूषण को फांसी नहीं मिलेगी। अगर तुम्हारे पास सबूत है तो न्यायलय को दो और न्यायालय मुझे फांसी देगा तो मुझे वो स्वीकार है।

बृजभूषण पहले भी ये दावा कर चुके है कि यह सब उनके खिलाफ साजिश है। वह पूरी तरह से निर्दोश हैं। उन्होंने इससे पहले पहलवानों से उनके खिलाफ सबूत देने के लिए कहा था। अब उन्होंने कहा है कि किसी के ऊपर भी आरोप लगते हैं तो उनके खास लोग भी यह कहने लगते हैं कि अगर धुआं उठा है तो आग भी होगी।

बता दें, भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगट ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर वार करते हुए कहा कि वे हरिद्वार में गंगा में अपने मेडल प्रवाहित कर देंगे। पहलवानों ने आगे कहा था कि इसके बाद वे इंडिया गेट पर भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

नरेश टिकैत ने मंगलवार शाम पहलवानों को हरिद्वार में गंगा में अपने पदक नहीं विसर्जित करने के लिए राजी कर लिया। उन्होंने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई में देरी के विरोध में अपना पदक राष्ट्रपति को सौंपने के लिए मना लिया था।

भाजपा का पलटवार, राहुल गांधी देश की धरती को कलंकित करने के लिए विदेशी धरती का उपयोग करते हैं

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में प्रधानमंत्री मोदी को लेकर दिए गए भाषण पर भाजपा ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि राहुल गांधी देश की धरती को कलंकित करने के लिए विदेशी धरती का उपयोग करते हैं।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से शेयर किए गए राहुल गांधी के अमेरिका में दिए गए भाषण के अंश और इसके जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बोले गए हमले के जवाब में राहुल गांधी को नकली गांधी बताते हुए ट्वीट कर कहा, नहीं मिस्टर नकली गांधी! भारत का मूल उसकी संस्कृति है। आपके विपरीत, जो देश को कलंकित करने के लिए विदेशी धरती का उपयोग करते हैं, भारतीयों को अपने इतिहास पर बहुत गर्व है और वे अपने भूगोल की बहुत अच्छी तरह से रक्षा कर सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए आगे कहा कि, यह मजेदार है कि कैसे कोई व्यक्ति जो कुछ भी नहीं जानता है वह अचानक हर चीज का विशेषज्ञ हो जाता है।

जोशी ने राहुल गांधी के ज्ञान और गांधी परिवार पर सवाल उठाते हुए अगले ट्वीट में कहा, एक आदमी जिसका इतिहास का ज्ञान उसके परिवार से आगे नहीं जाता, वह इतिहास के बारे में बात कर रहा है। एक आदमी जो आलू से सोना पैदा करने का दावा करता था, वह विज्ञान के बारे में व्याख्यान दे रहा है और एक आदमी जो कभी पारिवारिक मामलों से आगे नहीं बढ़ा, वह अब भारत के युद्ध का नेतृत्व करना चाहता है।

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी पलटवार किया है।

केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी की हर विदेश यात्रा भारत का अपमान करने में कहीं पीछे नहीं रहती है। इस बार की यात्रा भी उसी दिशा में जहां वे अपमान तो प्रधानमंत्री मोदी का करना चाहते हैं लेकिन अंत में देश का अपमान करने से नहीं हटते। वे भारत को एक राष्ट्र ही नहीं मानते, वे इसे एक राज्यों का संघ मानते हैं।

अमेरिका में भारत की एनडीए सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए राहुल गांधी के भाषण को लेकर एक बार फिर देश की घरेलू राजनीति में उबाल आना तय माना जा रहा है। अमेरिका में राहुल गांधी द्वारा किए गए हर हमले का जवाब यहां देश के अंदर मोदी सरकार के मंत्री और भाजपा के नेता पुरजोर तरीके से देने की कोशिश करते नजर आएंगे।

पहलवानों के समर्थन में सड़क पर उतरीं ममता बनर्जी

कोलकाता, 31 मई (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री (सीएम) ममता बनर्जी बुधवार को पहलवानों के समर्थन में कोलकाता की सड़कों पर उतर आईं। उनके साथ कई मंत्री और कई वर्तमान और भूतपूर्व खिलाड़ी भी उनके साथ मार्च में हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हाथों में हम न्याय चाहते हैं, का बोर्ड लेकर चल रही हैं। यह रैली हाजरा से रविंद्र सरोवर तक जाएगी। ममता ने कल ही प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को अपना समर्थन दिया था। उन्होंने कहा था 'हमारे पहलवानों को पीटा गया और प्रताड़ित किया गया।

ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने पहलवानों से बात की और उन्हें अपना समर्थन दिया। हम उनके साथ एकजुटता जताते हैं। उन्होंने पूछा कि एक व्यक्ति पर शारीरिक हमले का आरोप है, उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। बहुत जल्द तृणमूल कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल आंदोलन कर रहे खिलाड़ियों से मुलाकात करेगा।

पहलवानों के साथ एकजुटता दिखाते हुए भारत के पूर्व मिडफील्डर मेहताब हुसैन बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शहर में विरोध मार्च में शामिल हुए। ईस्ट बंगाल के पूर्व मिडफील्डर ने कहा कि जब उन्हीं एथलीटों ने आपको ओलंपिक पदक दिलाए तो प्रधानमंत्री के पास चाय पर उनकी मेजबानी करने और फोटो खिंचवाने का समय था। अगर पीएम पांच मिनट का समय उनकी दलीलों को सुनने के लिए देते, तो यह नाटक इस मुकाम तक नहीं पहुंचता। मेहताब के साथ ईस्ट बंगाल के लगभग 20 पूर्व खिलाड़ी और अधिकारी भी थे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के साथ पूर्व महिला फुटबॉल खिलाड़ी कुंतला घोष दस्तीदार और शांति मलिक, पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी अलवितो डी'कुन्हा, रहीम नबी और

दीपेंदु बिस्वास तथा कई अन्य खेल हस्तियां और आम लोग थे। मंत्री अरूप बिस्वास और क्रिकेटर से मंत्री बने मनोज तिवारी ने प्रदर्शनकारी पहलवानों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए खेल विभाग द्वारा आयोजित रैली की अगुवाई की।

पहलवान बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर 23 अप्रैल से नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे थे। 28 मई को नए संसद भवन की ओर कूच करने की उनकी कोशिश के बाद पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से हटा दिया था। उन्हें हिरासत में लेने के बाद रिहा कर दिया गया था।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

विज्ञापन सं. ICMR/HEAD/01/2023-Pers.

आयुर्विज्ञान स्थितियों के लिए भर्ती सूचना

आवेदन के प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि 29.06.2023

भारतीय चिकित्सा परिषद, (आईसीएमआर),स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग अन्तर्गत एक स्वायत्त संस्थान सीधी भर्ती अन्तर्गत नियमित आधार पर नियुक्ति के लिए आईसीएमआर कर्मचारियों को स्वीकृत अनुसार सामान्य भत्ता एवं पे मैट्रिक्स के 14 वें स्तर (रू.1,44,200-2,18,200) (7वीं सीपीसी स्केल) में,आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली मे आरसीएन के प्रभाग एवं एनसीडी के सीडी प्रभाग के मुख्य प्रभाग की तीन रिक्तियों के लिए 29 वीं जून,2023 को 5:30 बजे तक आनलाईन आवेदन आमंत्रित करते हैं।

विस्तृत विज्ञापन के लिए, कृपया आईसीएमआर की वेबसाइट www.icmr.nic.in अथवा :http://recruit.icmr.org.in देखें।

सहायक निदेशक- सामान्य (प्रशासन)

cbc 17152/12/0004/2324

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

निर्माण भवन, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली- 1100011

अधिसूचना

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के अध्यक्ष और सदस्य, एनएमसी के स्वायत्त बोर्डो के अध्यक्ष और सदस्यों तथा एनएमसी के सचिव के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

1. आवेदक की आयु 01.06.2023 को 65 वर्ष से कम होनी चाहिए।
2. आवेदन 30.06.2023 की तारीख तक भारतीय मानक समय के अनुसार शाम 4 बजे से पहले प्राप्त हो जाने चाहिए।
3. विस्तृत विज्ञापन और आवेदन का प्रारूप स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट www.mohfw.gov.in पर डाला जाएगा और वहां से डाउनलोड किया जा सकता है।
4. निर्धारित प्रोफार्मा में विधिवत भरा हुआ आवेदन सभी संबंधित प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतियों के साथ लिफाफे पर ''राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के अध्यक्ष और सदस्य, एनएमसी के स्वायत्त बोर्डों के अध्यक्ष और सदस्यों तथा एनएमसी के सचिव पद के लिए आवेदन'' लिखकर निम्नलिखित पते पर भेजा जाना चाहिए :

सचिव

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग,

निर्माण भवन, मौलाना आजाद रोड,

नई दिल्ली - 110011

5. सभी संबंधित दस्तावेजों के साथ आवेदन की स्कैन की गई प्रतियां ईमेल पते mepsection-mohfw@gov.in पर भी भेजी जानी चाहिए।
6. उम्मीदवारी पर विचार करने के लिए हार्ड कॉपी और ऑनलइन आवेदन अनिवार्य हैं। स्कैन की गई ऑनलाइन कॉपी को अंतिम रूप से आवेदन माना जाएगा और यह निर्दिष्ट ईमेल पते पर नियत तिथि और समय तक ग्राम हो जाना चाहिए।

CBC 17102/11/0019/2324

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR INDUS WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:9 DrawDate on:31/05/23 MRP₹6/-

1st Prize ₹1 Crore/- 47H 46265

Cons. Prize ₹1000/- 46265 (Remaining All Serial & Series)

2nd Prize ₹9000/-

03128 04498 06295 28560 30099 49990 63176 79068 81991 83393

3rd Prize ₹450/-

1738 2964 3002 3090 4802 5411 5487 8256 8528 9462

4th Prize ₹250/-

0601 2891 5895 6303 8098 9274 9285 9436 9625 9785

5th Prize ₹120/-

0038 0148 0233 0282 0389 0405 0491 0543 0566 0641
0724 0748 0818 0819 0995 1013 1071 1103 1350 1414
1454 1465 1533 1647 1677 1879 1966 2110 2119 2163
2171 2256 2266 2309 2325 2456 2580 2629 2686 2804
2931 3105 3231 3361 3593 3670 3788 3885 3980 4093
4118 4170 4216 4278 4464 4503 4626 4669 4928 5112
5276 5362 5654 5876 5914 5938 5985 6108 6128 6165
6231 6268 6284 6545 6731 6817 6893 6980 7071 7128
7190 7309 7421 7980 8176 8247 8344 8372 8584 8627
8833 9050 9275 9395 9419 9595 9653 9866 9896 9897

ISSUED BY : THE DIRECTOR

NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND

For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR HILL WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:9 DrawDate on:31/05/23 MRP₹6/-

1st Prize ₹1 Crore/- 90K 33213

Cons. Prize ₹1000/- 33213 (Remaining All Serial & Series)

2nd Prize ₹9000/-

36612 40281 49156 49558 52948 54452 56487 69650 84144 84906

3rd Prize ₹450/-

0228 0482 1991 4626 7005 7741 9247 9440 9469 9906

4th Prize ₹250/-

0596 1652 2351 3798 5991 6194 7203 7233 8055 8913

5th Prize ₹120/-

0170 0203 0235 0343 0525 0566 0757 0911 0940 1031
1075 1130 1133 1147 1148 1172 1205 1363 1428 1443
1909 2066 2233 2269 2328 2570 2871 3031 3062 3073
3105 3144 3399 3477 3524 3585 3728 3731 4077 4110
4166 4667 4834 4927 5075 5077 5090 5099 5118 5170
5207 5637 5690 5691 5723 5763 5828 6068 6092 6117
6124 6167 6324 6378 6490 6508 6643 6689 6896 6958
7077 7089 7100 7192 7355 7398 7581 7737 7808 7919
7925 7980 8196 8219 8426 8525 8565 8585 8601 8701
8903 8968 9032 9120 9153 9497 9638 9676 9714 9981

ISSUED BY : THE DIRECTOR

NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND

For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR PELICAN WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:9 DrawDate on:31/05/23 MRP₹6/-

1st Prize ₹1 Crore/- 88A 57689

Cons. Prize ₹1000/- 57689 (Remaining All Serial & Series)

2nd Prize ₹9000/-

13767 14171 16738 22704 27137 31418 55916 72675 81472 95217

3rd Prize ₹450/-

0495 1963 2351 3519 3535 4513 6018 6577 9234 9683

4th Prize ₹250/-

1612 1702 2443 4182 4290 4332 5282 6492 7211 8606

5th Prize ₹120/-

0100 0105 0231 0328 0529 0628 0740 0935 1032 1083
1098 1199 1208 1236 1299 1332 1374 1379 1605 1693
1727 1867 1887 2118 2402 2550 2556 2740 2806 2958
3014 3051 3149 3152 3199 3286 3733 3876 3991 4065
4103 4160 4215 4303 4495 4569 4643 4658 4677 4708
4761 4968 4970 5060 5068 5206 5237 5528 5721 5840
5972 6063 6076 6313 6415 6533 6600 6711 6826 6957
7254 7393 7410 7639 7643 7717 7722 7753 7894 7956
7977 8036 8242 8325 8381 8535 8597 8680 8722 8947
8995 9050 9227 9257 9608 9618 9824 9866 9871 9901

ISSUED BY : THE DIRECTOR

NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND

For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

यह कैसा प्रेम

दिल्ली के रोहिणी इलाके में रविवार को हुई एक टीनेज लड़की की हत्या कई वजहों से विचलित करती है। जिस तरह से 20 साल के एक युवक ने 16 साल की लड़की को दिन-दहाड़े सड़क के किनारे चाकुओं से गोद डाला और फिर एक बड़ा सा पत्थर उठाकर उससे बार-बार लड़की के सिर पर वार किया, वह स्तब्ध कर देता है। यह पूरी घटना अगर सीसीटीवी के कैमरे में कैद नहीं हुई होती तो भी इसका विवरण बेचैन कर सकता था, लेकिन टीवी पर प्रसारित इस घटना के फुटेज ने आम देशवासियों के दिलो-दिमाग पर इसके असर को कई गुना बढ़ दिया है। शुरुआती ब्योरे बताते हैं कि लड़का और लड़की पिछले दो साल से रिश्ते में थे और कुछ दिनों से उनमें खटपट बढ़ गई थी। लड़की अब लड़के से दूरी बनाने की कोशिश कर रही थी, जिसे लड़का बर्दाश्त नहीं कर पाया। कथित प्रेम संबंधों की ऐसी परिणति कई मामलों में देखने को मिल रही है।

कुछ समय पहले ही दिल्ली में श्रद्धा मर्डर केस चर्चित हुआ था, जिसमें लिव-इन पार्टनर ने कथित तौर पर हत्या करने के बाद लाश के 35 टुकड़े किए और फिर एक-एक कर ये टुकड़े जंगल में फेंक दिए। ऐसी और भी घटनाएं देश के अलग-अलग हिस्सों से सुनने को मिली हैं। ताजा मामले का जो पहलू खास तौर पर ध्यान खींच रहा है वह है दोनों की कम उम्र। 14 और 18 साल की उम्र में शुरू हुआ यह कथित प्रेम संबंध अलगाव की एक आंच नहीं झेल पाया।

पिछले कुछ समय से समाज में आ रहा खुलापन जहां लड़कियों को स्वतंत्र फैसले लेने की ओर ले जा रहा है वहीं लड़कों की अपेक्षाएं अभी भी पुराने पुरुषवादी आग्रहों से ग्रसित नजर आती हैं। निश्चित रूप से इसके अपवाद भी हैं, लेकिन समाज के एक बड़े हिस्से में चेतना का यह असंतुलन खतरनाक टकराव की स्थिति पैदा कर रहा है। इसी घटना का एक और अहम पहलू है शहरी मध्यवर्गीय जीवन में घर करती जा रही उदासीनता। सीसीटीवी फुटेज दिखाता है कि सड़क के किनारे एक 16 साल की लड़की पर हो रहे इस बर्बर हमले के दौरान कई लोग वहां से गुजरे, कुछ तो दो-चार सेकंड के लिए ठिठके भी, लेकिन किसी ने भी युवक को रोकने की या तत्काल पुलिस बुलाकर या शोर मचाकर लड़की को बचाने की कोशिश नहीं की। बल्कि, कॉलोनी के लोगों ने भी अपनी खिड़कियां बंद कर लीं।

यह कोई नया परिदृश्य नहीं है। दिल्ली ही नहीं, तमाम महानगरों में सड़क दुर्घटनाओं के दौरान या इस तरह की घटनाओं में ऐसी उदासीन प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। पुलिस-प्रशासन की साख का सवाल तो है ही, घटना से जुड़े अन्य पहलू भी कम महत्वपूर्ण नहीं।

नीति-निर्माताओं और समाज के जिम्मेदार तबकों को घटना के तमाम पहलुओं को संज्ञान में लेने और सुधारात्मक कदमों पर गौर करने की जरूरत है।

अतीत की राह पर

जयसिंह रावत

ब्रिटिश राज और संप्रभुता संपन्न गणराज्य के बीच एक अति महत्त्वपूर्ण संवैधानिक कड़ी के रूप में मौजूद भारत का संसद भवन नये भवन के उद्घाटन के साथ ही अतीत बन गया है।

वास्तुकला के इस बेजोड़ नमूने के साथ ही भारत के संसदीय इतिहास ने भी नया मोड़ ले लिया। अतीत बने संसद भवन ने 1927 से लेकर 1952 तक ब्रिटिश राज के लिए भारत के विधान तय किए और 1951-52 में भारत गणराज्य के पहले चुनाव से लेकर 2019 तक चुनी गई 17 लोक सभाओं को विराजमान किया। निरंतर 71 सालों तक संसद का स्थायी सदन राज्य सभा भी इसी भवन में भारत के भविष्य को लेकर चिंतन करता रहा।

इसी भवन में 14 और 15 अगस्त की मध्य रात्रि को पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का वह कालजयी भाषण हुआ था जो ट्रीस्ट विद डेस्टिनी यानी-नियति के साथ साक्षात्कार-के नाम से विख्यात हुआ। आजादी के बाद इस संसद भवन ने राष्ट्र निर्माण की दिशा में कई ऐतिहासिक विधान बनाए जिनसे भारत को वि पटल पर नई सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक पहचान मिली तथा देश बैलगाड़ी युग से अंतरिक्ष युग तक पहुंच गया। नये संसद भवन के चालू होने के बाद वर्तमान भवन को लोकतंत्र के संग्रहालय में बदलने की योजना है। भारत की ब्रिटिश राजधानी कलकत्ता से 1911 में दिल्ली स्थानांतरित हुई तो उसके लिए अनेक भवनों की आवश्यकता हुई।

ब्रिटिश शासन व्यवस्था के लिए दिल्ली में ही वायसराय, उनके प्रशासन और विधायिका के लिए दिल्ली में ही भवन बनने लगे। इन सब के डिजाइन की जिम्मेदारी सर एडविन लुटियन और हरबर्ट बेकर को सौंपी गई। इन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा का प्रदर्शन कर भारत के शासन के संचालन के लिए इन तीनों भवनों के डिजाइन तैयार किए। इनमें सेंट्रल असेंबली भवन 1927 में और वायसराय हाउस 1929 में बन कर तैयार हुआ। वासराय हाउस आजादी के बाद राष्ट्रपति भवन और केंद्रीय असेंबली स्वतंत्र भारत का संसद भवन कहलाया। ब्रिटिश उपनिवेश की याद दिलाने वाले चिह्नों को मिटाने के अभियान में कुछ अन्य इमारतों के साथ ही केंद्रीय असेंबली भवन (संसद भवन) की जगह बहुचर्चित सेंट्रल विस्टा के अंतर्गत नया संसद भवन तो मिल गया मगर अंग्रेजों की याद दिलाने वाले वायसराय हाउस (राष्ट्रपति भवन) के भविष्य को लेकर भी लोक जिज्ञासा स्वाभाविक ही है। इस संसद का डिजाइन सेंट्रल असेंबली के लिए ब्रिटिश आर्किटेक्ट द्वारा तैयार किए जाने के बाद इसका निर्माण 1921 और 1927 के बीच किया गया था। इसे जनवरी, 1927 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के आसन के रूप में खोला गया था। संसद भवन, वास्तुशिल्प वैभव और ऐतिहासिक मील का पत्थर है, जिसने लगभग एक सदी तक भारत की नियति का मार्गदर्शन किया और जिसकी शानदार विरासत अब इतिहास के पन्नों में दर्ज की जाएगी। इसका उद्घाटन 18 जनवरी, 1927 को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन द्वारा किया गया था।

भारत में ब्रिटिश शासन के अंत के बाद इस भवन में 1946 से जनवरी, 1950 तक दो साल 11 महीने और 18 दिन संविधान सभा चली और फिर 1950 में भारत का संविधान लागू होने के बाद भारतीय संसद द्वारा इसे अपने अधिकार में ले लिया गया। भारत में पाए गए चौंसठ योगिनी मंदिरों को इसकी प्रेरणा माना जाता है जबकि नया संसद भवन बुद्ध की कर्ण मुद्रा पर आधारित है। जरूरत के हिसाब से बाद में 1956 में संसद भवन में दो और मंजिलें जोड़ी गई। 2006 में संसद संग्रहालय बनाया गया। इस संग्रहालय में भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक विरासत के ढाई हजार वर्षों को प्रदर्शित किया गया है। उस समय लेजिस्लेटिव असेम्बली भवन कुल 83 लाख की लागत से 24,281 वर्गमीटर क्षेत्र में बना था जिसमें लोक सभा के 552 सदस्यों और राज्य सभा के 245 सदस्यों वाले सदनों के साथ ही 436 सीट वाला एक सेंट्रल हॉल भी था। सेंट्रल हॉल संसद भवन में एक महत्त्वपूर्ण स्थान था, जहां विशेष अवसरों पर दोनों सदनों के संयुक्त सत्र आयोजित किए जाते थे। इसका उपयोग भारत के राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक कायरे और महत्त्वपूर्ण अवसरों के लिए भी किया जाता था। इसके अलावा, संसद भवन में कई समिति कक्ष थे जहां संसदीय समितियां अपनी बैठकें आयोजित करती थीं, और कानून और निरीक्षण से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा करती थीं।

इसी में संसद पुस्तकालय भी रहा जो संसद भवन का एक अनिवार्य हिस्सा था, और संसद के सदस्यों के लिए संसाधन और शोध सामग्री प्रदान करता था। इसी इमारत में लोक सभा के अध्यक्ष और राज्य सभा के सभापति के कक्ष होते थे। संसद भवन में ही विभिन्न मंत्रियों के अपने आधिकारिक कर्त्तव्यों और बैठकों को पूरा करने के लिए उनके कक्ष थे। इन विशिष्ट कमरों के अलावा, संसद भवन परिसर के भीतर कार्यालय, स्वागत क्षेत्र, प्रशासनिक स्थान और अन्य सहायक सुविधाएं भी थीं। स्थानाभाव के कारण नये संसद भवन की आवश्यकता 2011 में यूपीए सरकार के कार्यकाल में महसूस की गई थी। इसके लिए तत्कालीन लोक सभा अध्यक्ष मीरा कुमार द्वारा 2011 में एक समिति का गठन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 में दूसरी बार सत्ता में आने पर सेंट्रल विस्टा परियोजना शुरू की जिसका भाग नया संसद भवन भी था। नये संसद भवन का रविवार, 28 मई को उद्घाटन हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन किया। हालांकि प्रमुख विपक्षी दल इसका उद्घाटन राष्ट्रपति के माध्यम से चाहते थे।

नया संसद भवन भारतीय स्थापत्य शैली के आधार पर बना है। इसमें लोक सभा के लिए 888 सीटें हैं जबकि राज्य सभा के लिए 384 सीटें रखी गई हैं। संयुक्त सत्रों की स्थिति में 1,272 सीटों की व्यवस्था भी की गई है। तो सवाल उठता है कि क्या अगले परिसीमन में लोक सभा की सीटें बढ़ेंगी? नया संसद भवन 65 हजार स्क्वेयर मीटर में बना है। इसे त्रिकोण आकार में राष्ट्रीय पक्षी मोर की थीम पर बनाया गया है। जानकारों का कहना है कि इसे त्रिकोण आकार में इसलिए बनाया गया है ताकि जगह का सही इस्तेमाल किया जा सके। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन-राज्य सभा (राज्यों की परिषद) एवं लोक सभा (लोगों का सदन) होते हैं। राष्ट्रपति के पास संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन को बुलाने या स्थगित करने अथवा लोक सभा को भंग करने की शक्ति है।

मजहबी राष्ट्रवाद के बूते सत्ता में वापसी

आनंद कुमार

तुर्किये में हाल में हुए चुनाव में वर्तमान राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन ने अपने प्रतिद्वंद्वी कमाल कलचदारलू को हराकर जीत हासिल की है। विनाशकारी भूकंप और जीवन यापन के संकट जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अर्दोआन प्रचार अभियान को मजहब आधारित राष्ट्रवाद पर केंद्रित करने में कामयाब रहे, जो बहुत से मतदाताओं की सोच से मेल खाता था। शासन तंत्र पर उनके नियंत्रण और रूस जैसी विदेशी ताकत के समर्थन ने भी उनकी जीत में भूमिका निभाई।

अर्दोआन पिछले 20 वर्षों से सत्ता में है, पहले प्रधानमंत्री के रूप में और फिर 2003 से राष्ट्रपति के रूप में। उन्होंने 2017 में एक जनमत संग्रह के जरिये राष्ट्रपति पद की भूमिका को महज औपचारिक के बजाय एक शक्तिशाली पद में तब्दील कर दिया, जिससे तुर्किये में संसदीय प्रणाली की जगह राष्ट्रपति का पद कार्यकारी हो गया। अर्दोआन की पार्टी जस्टिस ऐंड डेवलपमेंट पार्टी (एकेपी) ने राजनीतिक संस्थानों को खोखला कर दिया, मीडिया को वश में कर लिया और सत्ता पर मजबूत पकड़ के लिए सैन्य कमान को फिर से आकार दिया है।

कलचदारलू के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन का उद्देश्य राष्ट्रपति को कार्यकारी के पद से हटाना और एक मजबूत संसदीय प्रणाली को बढ़ावा देना था। उन्होंने दक्षिणपंथी मतदाताओं से सीरियाई शरणार्थियों को वापस उनके वतन भेजने की वकालत करने की भी अपील की। हालांकि, चुनाव से पहले जनमत सर्वेक्षणों में अग्रणी होने के बावजूद कलचदारलू अंतत: हार गए।

समर्थकों द्वारा अर्दोआन एवं एकेपी की जीत का जश्न मनाया गया, लेकिन उन्हें तुर्किये और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचकों की आपत्तियों का सामना भी करना पड़ा। आर्थिक नीतियों, भूकंप के बाद सुस्ती से राहत कार्यक्रम और लोकतांत्रिक संस्थानों के क्षरण की वजह से अर्दोआन की आलोचना हुई है। कई लोगों को उम्मीद थी कि कलचदारलू की जीत एक ज्यादा लोकतांत्रिक और समृद्ध तुर्किये का निर्माण करेगी, जो पश्चिमी मूल्यों के साथ संबंध स्थापित करेगा और यूरोपीय संघ की सदस्यता हासिल करने की कोशिश करेगा। हालांकि, अर्दोआन की जीत बताती है कि तुर्किये के अपने मौजूदा रास्ते पर चलते रहने की संभावना है, जिसके तहत यह विदेशी मामलों में बेहद टकराव वाला रुख अपनाता है और रूस जैसे देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाता है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अर्दोआन के व्यक्तिगत संबंध यूक्रेन पर क्रेमलिन के युद्ध के चलते भी बचे रहे। रूसी ऊर्जा आयात पर भुगतान के स्थगन से तुर्किये की बदहाल अर्थव्यवस्था को लाभ मिल रहा है, जिसकी वजह से इस साल अर्दोआन को अपने प्रचार अभियान पर दिल खोलकर खर्च करने में मदद मिली।

तुर्किये यूरोप और एशिया के चौराहे पर स्थित है और नाटो में इसकी भूमिका के कारण इसके चुनावी नतीजों का महत्व सीमाओं से परे है। अर्दोआन की सरकार ने ऐसे फैसले लिए हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित किया है, जैसे नाटो में शामिल होने के लिए स्वीडन के खिलाफ वीटो करना और रूसी मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदना, जिसके कारण अमेरिकी अगुआई वाली फाइटर जेट परियोजना से इसे हटा दिया गया। हालांकि तुर्किये ने वैश्विक खाद्य संकट के दौरान यूक्रेनी अनाज लदान की सुविधा जैसे समझौतों में बिचौलिए की भूमिका भी निभाई है।

जैसे ही अर्दोआन तुर्किये के राष्ट्रपति के रूप में अपना नया कार्यकाल शुरू करेंगे, उन्हें कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। मुल्क की बदहाल अर्थव्यवस्था और जीवन यापन का संकट अर्दोआन के लिए तत्काल एक बड़ी चुनौती है। बढ़ती मुद्रास्फीति और घटती क्रयशक्ति ने तुर्किये के लोगों को प्रभावित किया है। इस संकट से निपटना और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना उनकी उच्च प्राथमिकता होगी। अर्दोआन को अनियंत्रित मुद्रास्फीति का प्रबंधन करने की जरूरत है। ब्याज दरों की कटौती से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की उनकी रूढ़िवादी नीति को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा है। आर्थिक स्थिरता बरकरार रखते हुए मुद्रास्फीति पर नियंत्रण करना उनके प्रशासन के लिए जरूरी होगा। तुर्किये के नाटो सहयोगी, विशेष रूप से अमेरिका स्वीडन के नाटो में शामिल होने के खिलाफ वीटो हटाने के लिए उत्सुक हैं। तुर्किये के उन लोगों के प्रत्यर्पण की मांग, जिन पर कुर्द उग्रवादियों से संबंध होने का संदेह है, ने स्थिति को जटिल बना दिया है। अर्दोआन को इन तनावों को दूर करने और एक समाधान खोजने की आवश्यकता होगी।

तुर्किये को सीरिया की सीमा पर बाड़ लगाने की भी जरूरत है। सीरियाई गृह युद्ध के दौरान विपक्षी ताकतों को अर्दोआन के समर्थन के कारण पड़ोसी देश सीरिया के साथ संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। तुर्किये ने उत्तरी सीरिया में सैन्य अभियान चलाया और वहां अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखी है। रूसी-मध्यस्थ वार्ता सहित संबंधों को सुधारने के प्रयास राजनयिक संबंधों को अब तक सामान्य बनाने में विफल रहे हैं।

अर्दोआन के नेतृत्व में तुर्किये ने कुछ खास मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ गठबंधन किया है, जिसमें कश्मीर पर रुख भी शामिल है। यह ईरान और मलयेशिया के साथ उस समूह का भी हिस्सा है, जो इस्लामी दुनिया में नेतृत्व का दावा करना चाहता है, जो अक्सर भारत के खिलाफ रहता है। भूकंप के बाद सहयता के बावजूद यह देखा जाना बाकी है कि भारत के प्रति उसके रवैये में बदलाव आता है या नहीं।

मुस्तफा कमाल अतातुर्क की धर्मनिरपेक्षता आज भले ही तुर्किये में चलन में नहीं हो, लेकिन उनका राष्ट्रवाद आज भी प्रतिध्वनित हो रहा है। अर्दोआन को रूढ़िवादी मतदाताओं का समर्थन हासिल है, जो धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों पर स्थापित मुल्क में इस्लाम को बढ़ाने और वैश्विक राजनीति में तुर्किये के प्रभाव को बढ़ाने के उनके प्रयासों की प्रशंसा करते हैं।

जैसा कि तुर्किये अपना 100वां जन्मदिन मना रहा है, यह खुद को एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पाता है, अर्दोआन के निरंतर नेतृत्व ने इसकी घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय नीतियों को आकार दिया है। पश्चिमी देशों एवं मास्को के साथ चुनावी नतीजों के दूरगामी परिणाम होंगे और व्यापक पश्चिमी एशियाई क्षेत्र उसकी भावी दिशा को करीब से देख रहे हैं।

चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा

विष्णु राजगढ़िया

चिकित्सा से जुड़े लोगों को गंभीर चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है। फिलहाल केरल में एक दुखद हादसे ने चिकित्सकों की सुरक्षा पर चर्चा फिर से तेज कर दी है।

11 मई को कोल्लम जिले के एक तालुक अस्पताल में महिला डॉक्टर की हत्या कर दी गई। डॉ. वंदना दास को उसी व्यक्ति ने मार डाला जिसका वह इलाज कर रही थीं। आरोपी जी. संदीप निलंबित शिक्षक है। नशे की हालत में अपने परिजनों के साथ मारपीट के दौरान घायल हो गया था। पुलिस उसे अस्पताल लाई थी। डॉक्टर उसके पैर में हुए घाव की ड्रेसिंग कर रही थीं। अचानक वह उत्तेजित हो गया और कैंची और सर्जिकल छूरे से डॉक्टर पर हमला कर दिया। इलाज के दौरान डॉ. दास की मौत हो गई।

केरल उच्च न्यायालय ने इस हत्या को व्यवस्थागत नाकामी करार दिया। अदालत की विशेष पीठ ने केरल में सभी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों तथा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नये प्रोटोकॉल बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आपातकालीन बैठक करके केरल हेल्थकेयर सर्विस पर्सन एंड हेल्थकेयर सर्विस इंस्टीट्यूशंस (हिंसा एवं संपत्ति को नुकसान की रोकथाम) अधिनियम, 2012 में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी किया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने 23 मई को अध्यादेश पर हस्ताक्षर कर दिए।

इसमें स्वास्थ्यकर्मियों को गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाने वालों को सात साल तक कैद और पांच लाख रुपये तक जुर्माने सहित कड़ी सजा का प्रावधान किया गया। यह पहल फौरी राहत लगती है। लेकिन चिकित्सा कायरे से जुड़े लोग राष्ट्रीय कानून की मांग कर रहे हैं ताकि पूरे देश में मेडिकल सेवाओं से जुड़े सभी लोगों को भयमुक्त वातावरण में काम करने का अवसर मिल सके। मार्च, 2022 में राजस्थान के दौसा में एक महिला डॉक्टर की आत्महत्या भी काफी चर्चा में रही। एक गर्भवती महिला की मौत के बाद परिजनों ने डॉ. अर्चना शर्मा पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। प्राथमिकी में उनके पति डॉ. सुनीत उपाध्याय को भी आरोपी बनाया गया था। इससे आहत होकर डॉ. अर्चना ने आत्महत्या कर ली। 2019 में पश्चिम बंगाल में डॉक्टरों पर हमलों की कई घटनाओं ने चिकित्सा पेशेवरों को हिंसा से बचाने के लिए विशेष कानून पर चर्चा तेज कर दी थी।

तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर कहा था कि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य का कर्त्तव्य है। डॉ. हर्षवर्धन ने अपने मंत्रालय से राज्यों को भेजे गए सात जुलाई, 2017 के पत्र का हवाला दिया था जिसमें आईएमए द्वारा उठाए गए मुद्दों की समीक्षा के लिए मंत्रालय द्वारा गठित अंतरमंत्रालयी समिति के निर्णय शामिल थे। समिति ने सिफारिश की थी कि स्वास्थ्य मंत्रालय उन सभी राज्य सरकारों को सुझाव देगा, जिनके पास डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए विशिष्ट कानून नहीं है। आईएमए के अनुसार देश के 75 फीसदी से अधिक डॉक्टरों ने किसी न किसी प्रकार की हिंसा का सामना किया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार कार्यस्थल पर स्वास्थ्यकर्मियों के साथ हिंसा के मामले अन्य पेशागत कायरे की तुलना में चार गुना अधिक हैं। अनेक मामलों की रिपोर्ट तक नहीं दर्ज हो पाती। देश में पुलिस और विधि-व्यवस्था राज्य के विषय हैं। स्वास्थ्य राज्य सूची में है। लिहाजा, डॉक्टरों की सुरक्षा का दायित्व राज्यों का है न कि केंद्र सरकार का। लिहाजा, विभिन्न राज्यों ने मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट (एमपीए) बनाए हैं। तेइस राज्यों में ऐसे कानून हैं। 2007 में एमपीए लागू करने वाला पहला राज्य आंध्र प्रदेश है। यह एक्ट स्वास्थ्य सेवा से जुड़े व्यक्तियों और चिकित्सा सेवा संस्थानों (हिंसा एवं संपत्ति को नुकसान की रोकथाम) अधिनियम, के नाम से जाना जाता है। इसमें हिंसा या ऐसा प्रयास करने या उकसाने वाले को तीन साल तक जेल और पचास हजार तक जुर्माने का प्रावधान है। ऐसे अपराध संीय और गैर-जमानती होंगे।

लेकिन ऐसे कानून के बावजूद समस्या कायम है। पंजाब और हरियाणा में एक अध्ययन से पता चला है कि 2010-15 के बीच इस कानून के तहत किसी को दंडित नहीं किया गया। ज्यादातर मामलों में रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की गई। कई मामलों में समझौता हो गया। महाराष्ट्र में पुलिस को इस कानून की जानकारी तक नहीं थी जबकि वहां 2010 में यह कानून पारित किया गया था। राष्ट्रीय स्तर पर एक विधेयक 2018 में संसद में पेश किया गया था। लेकिन इसे यह कहकर स्थगित कर दिया गया कि डॉक्टरों के लिए अलग कानून नहीं हो सकता। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि आईपीसी और सीआरपीसी की मौजूदा धाराएं स्वास्थ्य सेवा के कार्यस्थल पर हिंसा से निपटने के लिए पर्याप्त हैं। स्वास्थ्यकर्मियों के लिए विशेष कानून बनाने से वकीलों और अन्य पेशेवरों की समान मांगों का द्वार खुल जाएगा।

फिलहाल, मामला राज्यों के कानून बनाम केंद्रीय कानून की बहस में लटका हुआ है। डॉक्टर केंद्रीय कानून चाहते हैं। आईएमए के राष्ट्रीय सचिव रहे जयेश लेले के अनुसार 23 राज्यों में स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा संबंधी कानून बने हैं, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से बिल्कुल निष्प्रभावी हैं। जाहिर है कि नागरिक स्वास्थ्य से जुड़े इस व्यापक विषय पर केंद्र सरकार की बड़ी पहल से ही कोई रास्ता निकलेगा।

मुक्ता गिरी जैन सिद्ध क्षेत्र

जहां आज भी होती है केसर-चंदन की वर्षा

दिगंबर जैनियों का सिद्धक्षेत्र भारत के मध्य में, महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश की सीमा पर स्थित है मुक्ता गिरी। मुक्ता गिरी मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में आता है। सतपुड़ा पर्वत की श्रृंखला में मन मोहनेवाले घने हरे-भरे वृक्षों के बीच यह क्षेत्र बसा हुआ है। जहां से साढ़े तीन करोड़ मुनिराज मोक्ष गए हैं। इसीलिए कहा जाता है -

अचलापूर की दिशा ईशान तहां मेंढागिरी नाम प्रधान।

साढ़े तीन कोटी मुनीराय तिनके चरण नमु चितलाय।।

जहां 250 फुट की ऊंचाई से जलधारा गिरती है। जिससे जलप्रपात निर्मित हुआ है। निसर्ग के हरे-भरे उन दृश्यों एवं पहाड़ों को देखकर हर मन प्रफुल्लित हो जाता है। इस स्थान को मुक्तागिरी के साथ-साथ मेंढागिरी भी कहा जाता है।

मुक्ता गिरी का इतिहास : एलिचपूर यानी अचलपुर में स्थित मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र को स्व. दानवीर नत्थुसा पासुसा कळमकर ने अपने साथी स्व. रायसाहेब रूखबसंगई तथा स्व. गेंदालालजी हीरालालजी बड़जात्या के साथ मिलकर अंग्रेजों के जमाने में खापर्डे के मालगुजारी से सन् 1928 में यह मुक्तागिरी पहाड़ मंदिरों के साथ खरीदा था। इस मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र का इतिहास काफी रोमहर्षक है।

कहा जाता है कि उस समय शिकार के लिए पहाड़ पर जूते-चप्पल पहन कर जाते थे और जानवरों का शिकार करते थे। इसी वजह से, पवित्रता को ध्यान में रखते हुए यह पहाड़ खरीदा गया।

निर्वाण कांड में उल्लेख है कि इस

क्षेत्र पर दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ का समवशरण आया था। इसीलिए कहा जाता है कि मुक्ता गिरी पर मुक्ता बरसे। शीतलनाथ का डेरा। ऐसा उस वक्त मोतियों की वर्षा होने से इसे मुक्तागिरी कहा जाता है।

एक हजार वर्ष पूर्व मंदिर क्रमांक दस के पास ध्यान मग्न मुनिराज के सामने एक मेंढा पहाड़ की चोटी से गिरा। मुनिराज ने उसके कान में णमोकार मंत्र का उच्चारण किया। वह मेंढा मृत्यु के बाद स्वर्ग में देवगति प्राप्त होते ही मुनि महाराज के दर्शन को आया। तब से हर अष्टमी और चौदस को यहां केसर-चंदन की वर्षा होती है। इसी समय से इसे मेंढागिरी भी कहा जाता है।

जानिए धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा

जहां पहाड़ों से बहती जल की धारा

कटनी-इलाहाबाद रेल मार्ग में सतना से 70 किलोमीटर दूर धारकुंडी में प्रकृति और अध्यात्म का अनुपम मिलन देखने को मिलता है। सतपुड़ा के पठार की विंध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित धारकुंडी में प्रकृति की अनुपम छटा देखने को मिलती है।

पर्वत की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगल के बीच महाराज सच्चिदानंद जी के परमहंस आश्रम ने यहां पर्यटन और अध्यात्म को एक सूत्र में पिरो कर रख दिया है। यहां बहुमूल्य औषधियां और जीवाश्म भी पाए जाते हैं। माना जाता है कि महाभारत काल में युधिष्ठिर और दक्ष का प्रसिद्ध संवाद यहीं के एक कुंड में हुआ था जिसे अघमर्षण कुंड कहा जाता है। यह कुंड भूतल से करीब 100 मीटर नीचे है।

धारकुंडी मूलतः दो शब्दों से मिलकर बना है। धार तथा कुंडी यानी जल की धारा और जलकुंड। विंध्याचल पर्वत श्रेणियों के दो पर्वत की संधियों से प्रस्फुटित होकर प्रवाहित होने वाली जल की निर्मल धारा यहां एक प्राकृतिक जलकुंड का निर्माण करती है।

समुद्र तल से 1050 फुट ऊपर स्थित धारकुंडी में प्रकृति का स्वर्गिक सौंदर्य आध्यात्मिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत उपलब्ध कराता है। यहां जनवरी में जहां न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री रहता है वहीं अधिकतम तापमान 18 डिग्री रहता है। जून माह में न्यूनतम 20 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 45 डिग्री रहता है।

योगिराज स्वामी परमानंद जी परमहंस जी के सान्निध्य में सच्चिदानंद जी ने चित्रकूट के अनुसूया आश्रम में करीब 11 वर्ष साधना की। इसके बाद सच्चिदानंद जी महाराज 1956 में यहां आए और अपनी आध्यात्मिक शक्ति से यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को आश्रम के माध्यम से एक सार्थक रूप दिया। उनके आश्रम में अतिथियों के लिए रहने और भोजन की मुफ्त में उत्तम व्यवस्था है।

विशेष है कि महाराज जी अपने खेतों में उपजे अन्न से ही अपने आगंतुकों को भोजन कराते हैं। भागम-भाग भरे जीवन के बीच कुछ दिन यहां आकर व्यक्ति को अध्यात्म और शांति का अनुपम अनुभव हो सकता है।

प्रकृति प्रेमी आध्यात्मिक लोग मध्य प्रदेश के सतना से यहां आ सकते हैं। सतना से प्रतिदिन एक बस यहां जाती है। इसके अलावा सतना के बस स्टैंड में स्थित परमहंस आश्रम की शाखा से भी यहां जाने के लिए जानकारी मिल सकती है। घनघोर जंगल, पर्वतों और झरनों के बीच स्थित परमहंस आश्रम में साधना के लिए योगी पुरुषों का आवागमन होते रहता है।

यहां आकर जीवन ठहर सा जाता है। मन को सुकून मिलता है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का तो कोई जवाब नहीं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है यहां का परमहंस आश्रम। पूज्य सच्चिदानंद जी के अध्यात्म ने धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा को दैवीय बना दिया है। जिसका अनुभव प्रकृति प्रेमी व्यक्तियों को जरूर लेना चाहिए।

नर्मदा के उत्तरी तट पर बसा धाराजी

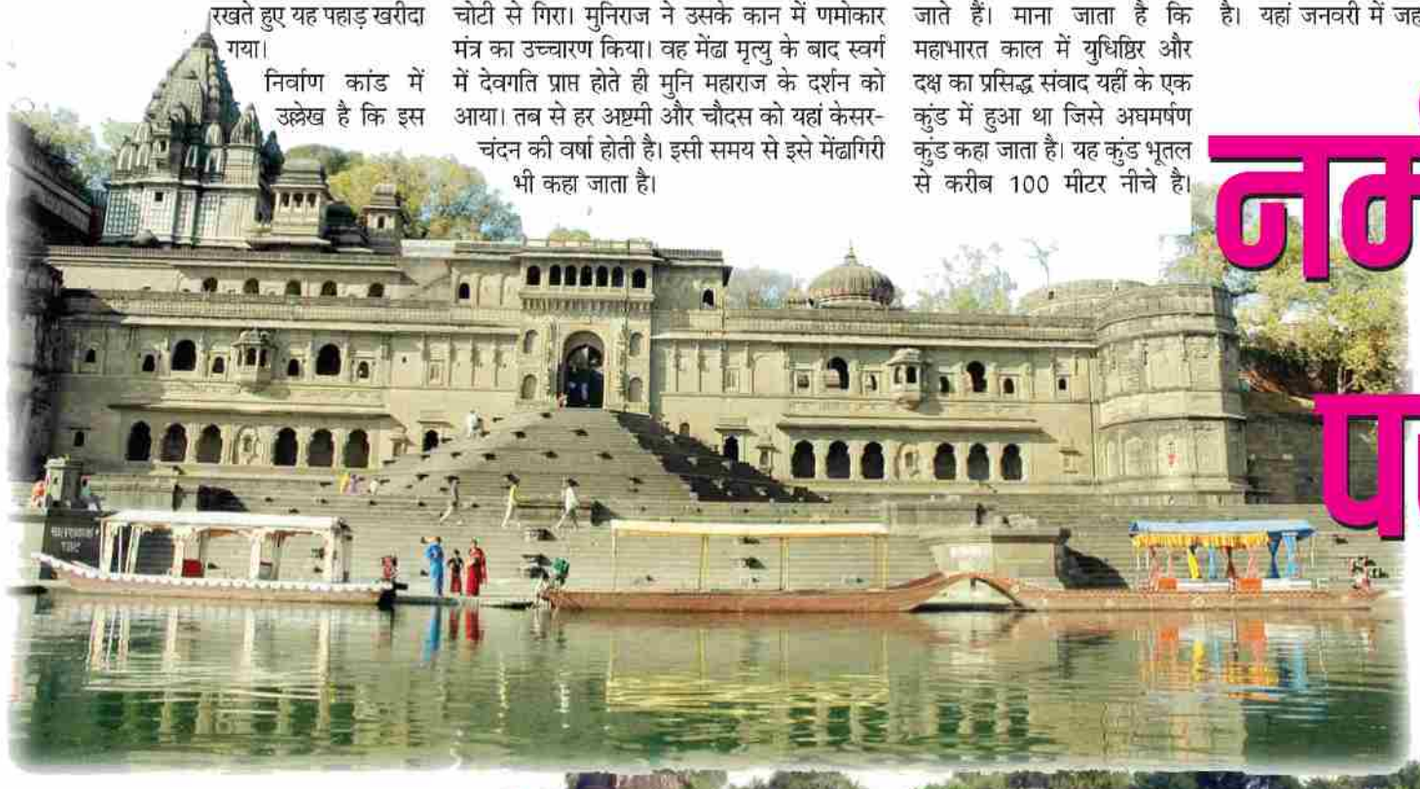

देश में काशी ज्ञानभूमि, वृंदावन प्रेमभूमि और नर्मदा तट को तपोभूमि माना जाता है। संत डोंगरेजी महाराज गंगा में स्थान करने, जमुना में आचमन करने और नर्मदा के दर्शन करने का समान फल मानते थे।

पौराणिक और दर्शनीय स्थल धावड़ी कुंड

मालवावासी जिसे धाराजी के नाम से जानते हैं, वह धावड़ी कुंड देवास जिले का महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यहां संपूर्ण नर्मदा 50 फुट से गिरती है, जिसके फलस्वरूप पत्थरों में 10-15 फुट व्यास के गोल (ओखल के आकार के) गड्ढे हो गए हैं। बहकर आए पत्थर इन गड्ढों में गिरकर पानी के सहारे गोल-गोल घूमते हैं, जिससे घिस-घिसकर ये पत्थर शिवलिंग का रूप ले लेते हैं।

ऐसा लगता है जैसे नर्मदा स्वयं अपने आराध्य देव को आकार देकर सतत उनका अभिषेक करती हो। इन्हें बाण या नर्मदेश्वर महादेव का नाम दिया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि धाराजी के स्वयंभू बाणों की प्राण-प्रतिष्ठा करना आवश्यक नहीं, ये स्वयंभू होकर प्राण-प्रतिष्ठित होते हैं।

इसी धाराजी पर चैत्र की अमावस पर मालवा, राजस्थान तथा निमाड़वासियों का प्रतिवर्ष एक बड़ा मेला लगता है, जिसमें लगभग लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं।

नर्मदाजी का यह सबसे बड़ा जलप्रपात वन प्रदेश में स्थित है। जलप्रपात से उत्तर में लगभग 10 कि.मी. पर सीता वाटिका, जिसे सीता वन भी कहते हैं, में सीता मंदिर भी स्थित है।

कहा जाता है कि यहा महर्षि वाल्मीकि का आश्रम था और सीताजी ने यहां निवास किया था। यहां पर 64 योगिनियों और 52 भैरवों की विशाल मूर्तियां भी हैं। समीप ही सीताकुंड, रामकुंड और लक्ष्मणकुंड हैं।

सीताकुंड में हमेशा पेयजल उपलब्ध रहता है। सीता वाटिका से 16 कि.मी. पूर्व में कनेरी माता(जनश्रुति में जयंती माता) का मंदिर है, जिसकी तलहटी में कनेरी नदी बहती है, जिसमें विभिन्न रंगों की कनेर की झाड़ियां हैं।

यह स्थान पूर्णतः घने जंगल में से होकर यहां हिंसक पशुओं का वास भी है। सीतावाटिका से 6 कि.मी. की दूरी पर सीता खोह भी है, जिसके आसपास दुर्घटना से बचाव के लिए कंटीले तार लगा दिए गए हैं, जो इतनी गहरी है कि नीचे झांकने पर तलहटी नदी दिखाई देती है और पत्थर डालने पर आवाज नहीं आती है।

सीता वाटिका से लगभग 10 कि.मी. उत्तर में वनप्रदेश के रास्ते पोटला गांव (देवास जिला) से 1 कि.मी. की दूरी पर कावड़िया पहाड़ है।

जनश्रुति है कि महाभारतकाल में इस वन प्रदेश में पांडवों ने अज्ञातवास हेतु भ्रमण किया था और भीम ने 3 फुट व्यास के 10 से 30 फुट लंबी कॉलम-बीम आकार के लौह-मिश्रित पत्थर इकट्ठे किए थे, जो सात स्थानों पर सात पहाड़ियों के रूप में हैं। इन पहाड़ियों की ऊंचाई 40-45 फुट की है।

प्रसिद्ध पुरातत्वविद प्रो. वाकणकर ने भी पहाड़ियों के इन पत्थरों का अनुसंधान किया था। भीम का उद्देश्य इन पत्थरों से सात महल बनाने का रहा होगा, ऐसा माना जाता है। नर्मदा परिक्रमा करने वाले धावड़ीकुंड से चल कर इन पौराणिक और दर्शनीय स्थानों का भ्रमण करते हुए तरानीया, रामपुरा, बखतगढ़ होते हुए चौबीस अवतार जाते हैं।

पुरातत्व, पर्यावरण, वनभ्रमण की दृष्टि से कावड़िया पहाड़, कनेरी माता, सीताखोह और धावड़ीकुंड (धाराजी) आकर्षण का केंद्र हैं, वही विहंगम दृश्यावलियों से पूर्ण पर्यटन स्थल है।

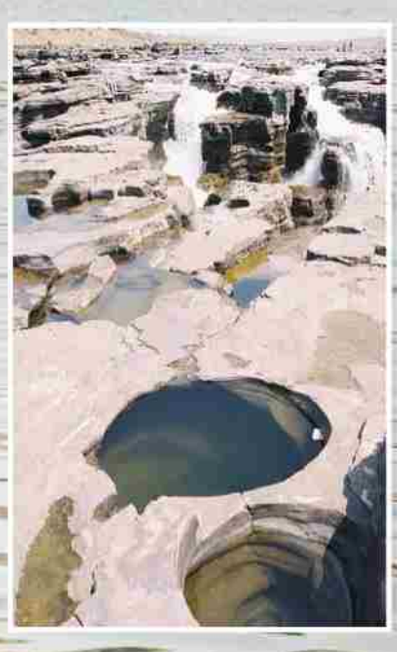

इमरान शराब और कोकीन का इस्तेमाल नहीं करते, स्वास्थ्य मंत्री के सभी आरोप गलत

-इमरान के खून और पेशाब के टेस्टों से हुआ साफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खून और पेशाब की जो टेस्ट रिपोर्ट राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के पास है, वह बताती हैं कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख शराब और कोकीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक करीबी सूत्र ने बताया कि इमरान खान की मेडिकल रिपोर्ट संघीय स्वास्थ्य मंत्री अब्दुल कादिर पटेल द्वारा कुछ दिनों पहले लगाए गए आरोपों का समर्थन नहीं करती है। सूत्र ने कहा कि इमरान की मेडिकल रिपोर्ट बताती है कि उनके सभी स्वास्थ्य संकेत सामान्य हैं। उन्होंने कहा कि इमरान के रक्त व मूत्र के नमूने तब लिए गए थे जब वह एनएबी की हिरासत में थे और इसी वजह से इन नमूनों की रिपोर्ट एनएबी की संपत्ति है। उन्होंने कहा, 'एनएबी के पास मौजूद मेडिकल रिपोर्ट स्वास्थ्य मंत्री के आरोपों की कहीं से भी पुष्टि नहीं करती है। दरअसन स्वास्थ्य मंत्री ने कुछ दिन पहले आरोप लगाया था कि भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तारी के दौरान किए गए इमरान के मेडिकल परीक्षण में शराब और कोकीन के सेवन का पता चला था। इसके लिए पटेल ने पांच डॉक्टरों के पैनल द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का हवाला दिया था। उन्होंने कहा था कि प्रारंभिक चिकित्सा रिपोर्ट में 'शराब और कोकीन' जैसे 'जहरीले रसायनों' के इस्तेमाल का पता चला है। स्वास्थ्य मंत्री, जिन्होंने कहा था कि सरकार इमरान की मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करेगी, ने यह भी दावा किया था कि पीटीआई प्रमुख की मानसिक स्थिरता पर सवाल खड़े किए थे।

श्रीलंका ने पर्यटन को बढ़ावा देने सुपरस्टार रजनीकांत को किया आमंत्रित

कोलंबो । श्रीलंका ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सुपरस्टार रजनीकांत को अपने देश आने के लिए आमंत्रित किया है। श्रीलंका के उप उच्चायुक्त, डॉ.डी.वेंकटेश्वरन ने अभिनेता से चेन्नई में उनके आवास पर मुलाकात कर उन्हें द्वीप राष्ट्र का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, उनकी उपस्थिति सिनेमा-प्रेरित पर्यटन के साथ-साथ स्पिरिचुअल और वेलनेस पर्यटन को बढ़ाएगी। दूत ने रजनीकांत को रामायण ट्रेल को एक्सप्लोर करने के लिए निमंत्रण दिया जो श्रीलंका में ही है। साथ ही भारत के दक्षिणी पड़ोसी देश में अन्य अद्वितीय बौद्ध स्थल भी हैं। पद्म भूषण से सम्मानित सुपरस्टार को श्रीलंका में तमिल समुदाय बड़े पैमाने पर फॉलो करता है। फिल्म प्रेमी सिंहली और अन्य जातीय समुदायों में भी वहां बेहद लोकप्रिय हैं।

उत्तर कोरिया ने लांच की बैलिस्टिक मिसाइल, जापान ने जारी किया अलर्ट

टोक्यो । उत्तर कोरिया ने सैन्य जासूसी उपग्रह की पुष्टि के अगले दिन बुधवार को संभावित बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने संभावित बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। हालांकि, जापान ने दक्षिण कोरिया की सेना के बयान के बाद बुधवार सुबह ओकिनावा क्षेत्र के लिए अपनी मिसाइल चेतावनी प्रणाली को सक्रिय कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा ट्वीट कर अलर्ट जारी किया गया है। पीएमओ ने मिसाइल लॉन्च को लेकर कहा कि ऐसा लगता है कि उत्तर कोरिया ने एक मिसाइल लांच की है। यह देखकर लोग इमारतों या फिर भूमिगत स्थानों पर शरण लें। हालांकि, करीब 30 मिनट बाद सरकार ने ट्वीट किया कर बताया कि इस अलर्ट रद्द किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उम्मीद की जा रही है कि ये मिसाइल जापानी क्षेत्र की ओर नहीं आएगी। बता दें कि उत्तर कोरिया द्वारा लांच किए जाने के जवाब में जापान ने पिछले कई मौकों पर अपने मिसाइल पूर्व चेतावनी अलार्म को अलर्ट किया है। हालांकि, ये अलर्ट आमतौर पर जल्दी हटा दिया जाता है।

चीन ने सरेआम तोड़ी बड़ी मस्जिद, 56 मुस्लिम देशों ने साधी चुप्पी

बीजिंग। चीन ने सरेआम एक मस्जिद को तोड़ना शुरू कर दिया और उसे बचाने आए मुसलमानों को वहां की पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए उनकी पिटाई कर डाली। चीन की पुलिस एक प्राचीन मस्जिद को तोड़ने के लिए हथौड़ा लेकर पहुंच गई थी। ट्विटर पर वायरल वीडियो के अनुसार, युन्नान प्रांत में जातीय रूप से हुई मुसलमानों के लिए इबादत और धार्मिक शिक्षा की एक महत्वपूर्ण नजियायिंग मस्जिद के गुबंद और मिनार को तोड़ने की कोशिश करने पर भीड़ के साथ झड़प हुई। बताया जा रहा है कि ये मस्जिद कई सौ साल पुरानी है। रविवार को सशस्त्र पुलिस के दर्जनों अधिकारी पहुंचे। वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि यह घटना 2020 के एक अदालत के फैसले से संबंधित है, जिसमें मस्जिद के कुछ सबसे हालिया नवीनीकरणों को अवैध और विध्वंस का आदेश दिया गया था। टोंगई काउंटी पुलिस ने इस घटना को 'व्यवस्थित सामाजिक प्रबंधन के लिए गंभीर रूप से हानिकारक' करार दिया और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति से 6 जून से पहले खुद को कानून प्रवर्तन में आत्मसमर्पण करने का आग्रह किया ताकि हल्की सजा का मौका मिल सके। लेकिन सबसे हैरानी की बात है कि मस्जिद गिराने की बात पर पाकिस्तान और तुर्की जैसे देशों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। इतना ही नहीं खुद को इस्लामिक देशों का अगुवा मानने में लगे सऊदी अरब, कतर, यूएई जैसे देशों के मुंह से भी इस घटना को लेकर एक शब्द नहीं निकला। ओआईसी के 56 देश भी चीन के सामने अपनी आवाज निकालने से गुरेज करते दिखे। किसी ने भी मस्जिद को तोड़ने वाले और मुसलमानों को मारने वाले चीन की निंदा नहीं की है।

विश्व निकाय के शांति अभियानों की तेज गति सुनिश्चित करने में भारत की भूमिका अहम

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान के प्रमुख ने डिजिटल प्रौद्योगिकियों के महत्व को देखकर इस संदर्भ में विश्व निकाय के शांति अभियानों की तेज गति सुनिश्चित करने के लिए भारत की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत शांतिरक्षा के डिजिटलीकरण की संयुक्त राष्ट्र की रणनीति में एक ''प्रमुख भागीदार'' है। उन्होंने 'ब्लू हेलमेट' के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने जैसी अहम पहलों में भारत की भागीदारी और प्रतिबद्धता की सराहना की। 'ब्लू हेलमेट' संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा सेना के जवानों को कहा जाता है। भारत संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में कर्मियों के योगदान के मामले में तीसरे नंबर पर है। उसके 6000 से अधिक सैन्य एवं पुलिस कर्मी साइप्रस, कांगो, लेबनान, पश्चिम एशिया और पश्चिम सहारा क्षेत्र में तैनात हैं। शांतिरक्षा अभियानों के लिए अपर महासचिव ज्यां पियरे लैक्रोइक्स ने कहा, ''भारत दुनिया में, संयुक्त राष्ट्र में, बहुपक्षवाद में बड़ी भूमिका निभाता है और यह शांतिरक्षा अभियानों में भी अहम योगदान देता है। केवल बलों और पुलिस के संदर्भ में ही उसका योगदान महत्वपूर्ण नहीं है। हम शांतिरक्षा में सुधार के लिए जो कदम उठाते हैं, उनमें भी कई तरीके से हमारी मदद की जाती है। संयुक्त राष्ट्र ने शांतिरक्षा अभियान के 75 वर्ष पूरे होने पर 29 मई को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक दिवस मनाया। इस वर्ष आयोजन की विषय विस्तु थी ''शांति मुझसे शुरू होती है''। संयुक्त राष्ट्र के तहत सेवा करते हुए पिछले साल अपनी जान गंवाने वाले तीन भारतीय शांति सैनिक उन 103 सैन्य, पुलिस और असैन्य शांति सैनिकों में शामिल हैं, जिन्हें मरणोपरांत 'डैग हैमरस्कॉल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया। इन तीन भारतीयों में सीमा सुरक्षा बल के हेड कांस्टेबल शिशुपाल सिंह और संवाली राम विश्नोई शामिल हैं, जिन्होंने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संगठन स्थिरीकरण मिशन के साथ काम किया और शाबर ताहेर अली इराक के लिए संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन में कार्यरत थे। संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में सबसे ज्यादा सैनिक भेजने वाले देशों में से एक भारत ने इस साल की शुरुआत में अबेई में महिला शांतिरक्षकों की भी एक पलटन तैनात की थी। यह संयुक्त राष्ट्र अभियान में भारत की सबसे बड़ी एकल महिला पलटन की तैनाती है। उन्होंने भारत सहित, शांतिरक्षा अभियानों में दलों एवं पुलिस संबंधी योगदान देने वाले देशों से इकाइयों में केवल अधिक संख्या में महिलाएं भेजने के लिए नहीं, अपितु सैन्य, पुलिस एवं सैन्य इलाकों में ऊंचे पदों के लिए अधिक महिला उम्मीदवारों की तैनाती करने का आग्रह किया। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर अपने कार्यकाल के अंत में अपनी अध्यक्षता के दौरान पिछले साल दिसंबर में 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स' की शुरुआत की थी, जिसका मकसद शांतिरक्षकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही बढ़ाना है।

ब्रासीलिया में दक्षिण अमेरिकी सम्मेलन में एकसाथ नजर आये कोलंबिया , बोलीविया , ब्राजील और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति।

मस्क को झटका, ट्विटर की वैल्यू वर्तमान में 33 फीसदी रह गई

वाशिंगटन । 7 माह पहले दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शामिल एलन मस्क ने ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था। तब मस्क ने जोर देकर कहा था कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए ज्यादा पैसे दिए हैं। नया साल शुरू हुआ और रिपोर्ट आई कि ट्विटर की वैल्यूशन में 50 फीसदी की कमी आ गई है। अब मई में जो डाटा निकलकर सामने आ रहा है, वहां और भी चौकाने वाला है। ट्विटर की वैल्यू 29 बिलियन डॉलर से ज्यादा कम हो चुकी है जोकि एक बड़ा झटका है। इसका मतलब है कि 7 महीने में कंपनी की वैल्यू सिर्फ 33 फीसदी ही रह गई है। मस्क ने स्वीकार किया है कि उन्होंने ट्विटर के लिए ज्यादा पेमेंट किया, जिसे उन्होंने 44 बिलियन डॉलर में खरीदा, जिसमें 33.5 बिलियन डॉलर की इक्विटी भी शामिल है। कुछ महीने पहले मस्क ने खुद कहा था कि ट्विटर के लिए उन्होंने जो भुगतान किया है, उसके आधे से भी कम वैल्यू का है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि फिडेलिटी वैल्यूएशन पर किस आधार पहुंची है या उन्हें कंपनी की ओर से जानकारी मिली है। फिडेलिटी ने सबसे पहले नवंबर में अपने ट्विटर शेयर का कीमत घटाकर परचेज वैल्यू का 44 फीसदी कर दिया था। इसके बाद दिसंबर और फरवरी में और मार्कडाउन किया गया। मस्क के पदभार संभालने के बाद से ट्विटर आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहा है। 13 अरब डॉलर के कर्ज को देखते हुए मस्क ने मस्क के कटेंट मॉडरेशन के साथ कुछ ऐसे फैसले लिए जिसकी वजह से ट्विटर का रेवेन्यू 50 फीसदी तक कम हो गया। वहीं दूसरी ओर ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन बेचकर उस रेवेन्यू को दोबारा हासिल करने का प्रयास अब तक विफल रहा है। मार्च के अंत में, ट्विटर के मासिक यूजर्स में से 1 फीसदी से भी कम ने साइन अप किया था। वैसे ट्विटर ने इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

मंगल ग्रह पर मिले पानी होने के संकेत, 66 फीट गहरी नदी के निशान मौजूद

वाशिंगटन (एजेंसी)। मंगल ग्रह पर पानी होने के संकेत मिलने से नासा के वैज्ञानिक बेहद खुश हैं। जानकारी के अनुसार नासा के पर्सीवरेंस रोवर और चीन के झुरोंग रोवर को मंगल ग्रह पर बहती नदियों और भीगे हुए रेत के टीलों के संकेत मिले हैं। चीन के रोवर ने पाया कि आज से करीब 4 लाख साल पहले अत्यधिक ठंड की वजह से रेत के टीले जम कर कड़े हो गए होंगे। वहीं नासा के पर्सीवरेंस को जो संकेत मिले हैं उनके अनुसार ताकतवर जलमार्ग ने जेजीरो क्रेटर में अपना रास्ता बनाया होगा, जिसकी वजह से इसमें अच्छी खासी दर से पानी गिरा होगा। नासा के पर्सीवरेंस को मंगल की अब तक की सबसे बड़ी नदी मिली है। चट्टानों के आकार से यह अंदाजा लगाया गया है कि यह नदी कुछ जगहों पर 66 फीट से ज्यादा गहरी थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह संरक्षित नदी के किनारे की रेत थी।

इस संबंध में यूटा में ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी के शोधार्थी जानी राडेब का दोनों कहना है कि यह बहुत अहम जानकारी है जो दूसरे ग्रह की सतह के बारे में हमें बता रही है। जानकारी के मुताबिक चीन के रोवर ने मंगल की सतह पर पानी के निशान खोजे हैं। रोवर के करीब रेत के टीले पर एक तरह की पपड़ी बन गई थी जो पानी के खनिजों के संपर्क में आने से बनी होगी। हो सकता है कि पूर्व में पानी यहां इन रेत के टीलों पर पाले की वजह से आया होगा या हजारों साल पहले ग्रह के झुकाव की वजह से इस क्षेत्र में बर्फ गिरी होगी।

इस मामले में ब्राउन यूनिवर्सिटी के ग्रह वैज्ञानिक और नासा के मंगल उत्सुकता मिशन के सदस्य राल्फ मिल्लिकेन का कहना है कि मंगल पर

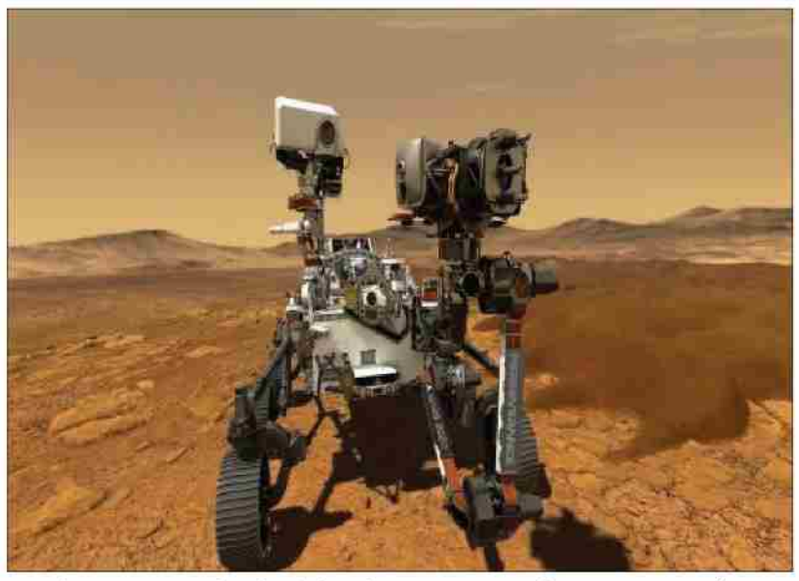

पाई जाने वाली धूल खनिज से लबरेज है जो हवा में मौजूद पानी को सोख सकती है। अगर यह सामग्री रेत के टीलों को ढक लेती है, तो मौसम में आए बदलाव से पैदा हुई आर्द्रता धूल से पानी को सोख सकती है और फिर बिना तरल बने उसे छोड़ सकती है। मिलिकेन का कहना है कि यह वह प्रक्रिया है जो मंगल ग्रह पर अलग-अलग जगह पर हो सकती है।

नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार जहां चीन के रोवर ने भीगे हुए रेत के टीलों की जांच की। वहीं पर्सीवरेंस ने एक शक्तिशाली धारा के अवशेषों की खोज की। नासा के रोवर ने जो साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं, उसके हिसाब से ग्रह पर प्राचीन समय में एक नदी बहा करती थी जो काफी गहरी थी। और इसका बहाव काफी तेज था। यह नदी उस जलमार्ग के नेटवर्क का हिस्सा था जो जेजीरो क्रेटर में बहता था। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि यह वही क्षेत्र है जहां रोवर पिछले 2 सालों से सूक्ष्म जीवों के जीवन के संकेतों की उम्मीद में खोज कर रहा है। इससे साफ हो जाता है कि एक ताकतवर नदी अपने साथ बहुत सारा मलबा लेकर आई है। जो 820 फीट लंबा और घुमावदार है जो बहते हुए पानी का संकेत देता है। इस घुमावदार इकाई के बीच एक जगह को स्प्रिंकल हेवन का नाम दिया गया है।

9 मई के हमले के मामले में इमरान पर सैन्य अदालत में चलेगा मुकदमा: पाक मंत्री

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में पूर्व पीएम इमरान खान और सरकार के बीच तनातनी का दौर जारी है। पाक सरकार इमरान खान को किसी न किसी केस में फंसाने की हर कोशिश में लगी हुई है। अब पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान को 9 मई के हमलों में उनकी भूमिका के लिए सैन्य अदालत में मुकदमे का सामना करना होगा। मीडिया से बात करते हुए सनाउल्लाह ने इमरान पर सैन्य प्रतिष्ठानों पर व्यक्तिगत रूप से हमले की योजना बनाने का आरोप लगाया और दावा किया कि इन आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। उन्होंने कहा कि यह सब दस्तावेज है। इसका सुबूत इमरान के ट्वीट और संदेशों में है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट परिसर से राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो के आदेश पर अर्धसैनिक रेंजरों द्वारा 9 मई को पीटीआई प्रमुख को हिरासत में लिए जाने के बाद देश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे।

मीडिया ने बताया कि दंगाइयों ने नागरिक बुनियादी ढांचे और सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की और यहां तक कि रावलपिंडी में जनरल मुख्यालय और लाहौर कॉर्प्स कमांडर के आवास पर हमला किया, जिसे जिन्ना हाउस के नाम से भी जाना जाता है। साक्षात्कार के दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या पीटीआई के अध्यक्ष पर एक सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया जाएगा, गृह मंत्री ने जवाब दिया कि बिल्कुल, क्यों नहीं चलाया जाना चाहिए? उन्होंने जो कार्यक्रम बनाया था कि सैन्य प्रतिष्ठानों को टारगेट करें और उन्होंने इसे कैसे अंजाम दिया, यह बिल्कुल सैन्य अदालतों का मामला है। मीडिया के अनुसार सनाउल्लाह ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से हमलों को अंजाम दिया।

तानाशाह किम जोंग का पहला स्पाई सैटेलाइट विफल, लॉन्च होते ही समंदर में गिरा मलबा

- दक्षिण कोरिया ने वायरल किया तस्वीरें

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया का मुखिया एवं सनकी तानाशाह नेता किम जोंग उन अक्सर हठधर्मी एवं अमानवीय कार्य करते रहते हैं, जिससे सुर्खियों में बने रहते हैं। एक बार फिर उनकी हरकत सुर्खियों में आ गई है। दरअसल उत्तर कोरिया ने अपना पहला जासूसी सैटेलाइट स्पाई बुधवार को लॉन्च किया, लेकिन यह बुरी तरह से फेल हो गया। इसके बाद रॉकेट और सैटेलाइट स्पाई का मलबा समंदर में जा गिरा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस विफलता के साथ ही किम जोंग उन को अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के मंसूबों पर एक और धक्का लगा है। उल्लेखनीय है कि इन दिनों उत्तर कोरिया का संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ तनाव बढ़ता जा रहा है। उत्तर कोरिया ने एक बयान में कहा है कि वह लॉन्चिंग के विफल होने के कारणों की जांच कर रहा है। उत्तर कोरिया ने अपने रॉकेट लिफ्टऑफ के साथ क्या गलत हुआ, यह पता लगाने के बाद दूसरी लॉन्चिंग करने की कसम खाई है। उत्तर कोरिया ने कहा है कि जून में फिर से सैटेलाइट की लॉन्चिंग की जाएगी। वहीं दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के जासूसी सैटेलाइट के उस हिस्से की तस्वीरें जारी की है, जो बुधवार को लॉन्चिंग के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

अखंड भारत के नक्शे में लुंबिनी व कपिलवस्तु के शामिल होने से बिफरे ओली व भट्टाराई

-नेपाल में मचा बवाल, निशाने पर भारतीय संसद

काठमांडू (एजेंसी)। भारतीय संसद में अखंड भारत का नक्शा लगाए जाने पर नेपाल में बवाल मच गया है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली तथा एक और पूर्व पीएम बाबूराम भट्टाराई ने अखंड भारत के नक्शे पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है और चेतावनी भी दी है। बाबूराम भट्टाराई ने तो यहां तक कह दिया कि भारत की संसद में लगे अखंड भारत के भित्ति-चित्र से दोनों देशों के बीच संबंध रसातल में चले जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि इस अखंड भारत के भित्ति-चित्र से नेपाल समेत पड़ोसी देशों के साथ अनावश्यक और नुकसान पहुंचाने वाला विवाद पैदा होगा। यह विवाद तब पैदा हुआ है, जब नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड भारत के पहले दौरे पर आ रहे हैं।

चीन के इशारे पर नाचने वाले केपी ओली ने मांग की है कि नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड लुंबिनी और कपिलवस्तु को अखंड भारत के भित्तिचित्र में शामिल करने के खिलाफ निश्चित रूप से विरोध दर्ज कराएं। लुंबिन भगवान बुद्ध की जन्मस्थली है। यह वही ओली हैं जो अक्सर भारत के खिलाफ जहरीले बयान देते रहते हैं। वहीं नेपाल समाजवादी पार्टी के चेयरमैन बाबूराम भट्टाराई ने एक ट्वीट करके यह भी कहा कि भारतीय नेताओं को इस भित्तिचित्र को लगाए जाने की मंशा और उसके प्रभाव के बारे में सही समय की जानकारी देना चाहिए।

अखंड भारत के भित्तिचित्र में लुंबिनी और कपिलवस्तु के अलावा पाकिस्तान के तक्षशिला को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय नेताओं को इस पूरे मामले में सफाई देना चाहिए। अखंड भारत के इस भित्तिचित्र को भारत की संसद भवन की नई इमारत में लगाया गया है। इस बीच नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड अपने पहले विदेशी दौरे पर आज भारत आ रहे हैं। उनके साथ एक भारी-भरकम प्रतिनिधिमंडल है। इस यात्रा के दौरान अखंड भारत का मुद्दा भी गरमा सकता है।

प्रचंड ने कहा है कि उनकी इस भारत यात्रा से लंबे समय के लिए बिजली के व्यापार का रास्ता साफ होगा। उन्होंने आशा जताई कि सभी तरह की बाधाएं दूर हो जाएंगी और नेपाल अपनी ज्यादा बिजली को आसानी से बेच सकेगा। प्रचंड इस दौरे पर पीएम मोदी, विदेश मंत्री और कई अन्य नेताओं से मुलाकात करेंगे। उनका यह दौरा 4 दिन का है। वामपंथी प्रचंड की मंद?र भी जाने की योजना है। उन्होंने यह भी कहा है कि वह भारतीय नेतृत्व से कालापानी सीमा विवाद का मुद्दा भी उठाएंगे। नेपाली पीएम भारत के बाद चीन के दौरे पर भी जाएंगे। इस वजह से इस यात्रा को काफी अहम माना जा रहा है।

राहुल की मोहब्बत की दुकान में खालिस्तानियों ने डाला व्यवधान, 1984 दंगों को लेकर लगाए गांधी परिवार के खिलाफ नारे

प्योंगयांग (एजेंसी)। पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी को अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में एक कार्यक्रम के दौरान खालिस्तानी समर्थकों के एक समूह ने घेर लिया था। गांधी 10 दिवसीय अमेरिका यात्रा पर हैं। उन्होंने सैन फ्रांसिसको में 'मोहब्बत की दुकान' कार्यक्रम को संबोधित किया। एक वीडियो में खालिस्तान समर्थकों को राहुल गांधी को परेशान करते और सैन फ्रांसिस्को में 'मोहब्बत की दुकान' कार्यक्रम को बाधित करते हुए दिखाया गया है। कार्यक्रम में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे भी लगाए गए।

जब दर्शकों में से कुछ लोगों ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के संबंध में उनके और गांधी परिवार के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने कुछ देर के लिए उनके भाषण को बीच में ही रोक दिया। हालाँकि, गांधी मुस्कुराए और कहा कि स्वागत है, स्वागत है ... नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान। इसके बाद कांग्रेस नेता दर्शकों में अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए और 'भारत जोड़ो' के नारों के साथ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बारे में दिलचस्प बात यह है कि यह सभी के प्रति स्नेह रखती है।

राहुल ने कहा कि अगर कोई आना चाहता है और कुछ भी कहना चाहता है, चाहे वह कुछ भी कह रहा हो, तो हम उसे सुनकर खुश होते हैं। हम गुस्सा नहीं होने वाले हैं, हम आक्रामक नहीं होने जा रहे हैं। हम इसे अच्छी तरह से सुनेंगे। वास्तव में, हम उनके प्रति स्नेही रहेंगे, उनके प्रति प्रेमपूर्ण रहेंगे। क्योंकि यही हमारा स्वभाव है। बीजेपी के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्विटर पर इस घटना की एक क्लिप साझा की और लिखा कि राहुल गांधी ने अमेरिका में 1984 के सिख नरसंहार (कांग्रेस द्वारा फैलाया गया) के लिए हंगामा किया...ऐसी नफरत की आग लगी थी, जो अब तक नहीं बुझी। अमेरिका स्थित खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने इसकी जिम्मेदारी ली है। एसएफजे के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इस घटना का वीडियो जारी करते हुए कहा कि राहुल गांधी अमेरिका में जहां-जहां जाएंगे

खालिस्तान समर्थक सिख तुम्हारे सामने खड़े होंगे।

पाकिस्तान को एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारत दौरे के लिए मना रहा आईसीसी

कराची (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष और सीईओ अभी पाकिस्तान दौरें पर हैं और वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को इस बात के लिए मना रहे हैं कि वह भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में अपने मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल (तटस्थ स्थल पर मैचों का आयोजन) करने की मांग न करें। बार्कले और एलार्डिस अभी लाहौर में हैं और पीसीबी को इस बात के लिए सहमत करने में लगे हैं कि वह अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारत का दौरा करे। इससे पहले पीसीबी के प्रमुख नजम सेठी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी तो फिर उनकी टीम भी विश्वकप के लिए भारत नहीं जाएगी। इसके बाद ही आईसीसी अधिकारी पीसीबी से बात करने में लगे हैं।

आईसीसी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को आशंका है कि नजम सेठी विश्वकप के लिए भी हाइब्रिड मॉडल को अपनाने पर जोर दे सकते हैं। सेठी ने हालांकि हाइब्रिड मॉडल का सुझाव विश्वकप से पहले होने वाले एशिया कप के लिए दिया है पर आईसीसी अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अगर इस क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए यह मॉडल स्वीकार कर लिया जाता है तो पीसीबी पाकिस्तान के भारत में खेलने के सवाल पर आईसीसी से विश्वकप में भी इस मॉडल को लागू करने की मांग कर सकता है। सेठी ने पहले ही कहा था यदि पाकिस्तान सरकार सुरक्षा कारणों से टीम को भारत भेजने की अनुमति नहीं देती है तो पीसीबी ऐसी स्थिति में आईसीसी से पाकिस्तान के मैच तटस्थ स्थान पर करवाने के लिए कहेगा।

सूत्रों ने कहा, ''स्वाभाविक है कि आईसीसी और बीसीसीआई इस तरह की स्थिति नहीं चाहते क्योंकि इससे भारत-पाकिस्तान मैच और यहां तक कि टूर्नामेंट की सफलता भी प्रभावित होगी। एक अन्य सूत्र ने कहा कि यही वजह है कि बीसीसीआई के सचिव जय शाह एशिया कप के लिए हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार नहीं कर रहे हैं जिसके तहत तीन या चार मैचों का आयोजन पाकिस्तान में और बाकी मैचों का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात या श्रीलंका में होगा। वहीं पीसीबी प्रमुख ने इससे पहले कहा था कि अगर भारतीय टीम एशिया कप के लिए पाक नहीं आती तो वे भी विश्वकप के लिए भारत नहीं जाएंगे।

भारत के किरण ने चीन के युकी को हराकर किया उलटफेर

-अश्मिता और साइना भी अगले दौर में पहुंचे

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के किरण जॉर्ज ने विश्व के नौवें नंबर के खिलाड़ी चीन के शी युकी को सीधे गेम में हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं महिला युगल में भारत की ही अश्मिता चाहिला और साइना नेहवाल ने भी जीत के साथ ही अगले दौर में जगह बनाई हालांकि पुरुष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और बी साई प्रणीत पुरुष को हार का सामना करना पड़ा। भारत के किरण ने पुरुष एकल में युकी को 21-18 22-20 से हराकर एक बड़ा उलटफेर कर सबको हैरान कर दिया।

किरण अब अगले दौर में चीन के वेंग होंग येंग से खेलेंगे। वहीं अन्य मुकाबलों में क्वालीफायर अश्मिता ने अपने ही देश की मालविका बंसोड़ को 21-17 21-14 से हराया जबकि साइना ने कनाडा की वेन यू झेंग को 21-13 21-7 से पराजित किया। अश्मिता अब अगले दौर में कैरोलिना मारिन का सामना करेंगी। वहीं साइना का सामना चीन की ही बिंग जियाओ से हो सकता है। श्रीकांत को चीन के वेंग होंग येंग के खिलाफ 8-21 21-16 14-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि समीर वर्मा को डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन ने 15-21 15-21 से हराया। प्रणीत को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 14-21 16-21 से हराया।

आईपीएल में एक बार भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये गेल, डिविलियर्स और विराट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में तीन ऐसे खिलाड़ी भी हैं जिन्होंने रनों में तो रिकार्ड बना दिया पर उनकी टीम कभी भी खिताब नहीं जीत पायी है। इन खिलाड़ियों में विराट कोहली, ए बी डिविलियर्स और क्रिस गेल जैसे स्टार बल्लेबाज हैं। गेल के नाम टी20 में सबसे बड़े स्कोर 175 रनों का भी रिकार्ड है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पूर्व कप्तान विराट ने आईपीएल 2016 में सबसे ज्यादा 973 रन बनाये थे। लीग के एक सत्र में किसी खिलाड़ी के बल्ले से निकले सबसे ज्यादा रनों का यह रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है। इसके करीब भी अन्य बल्लेबाज नहीं पहुंच पाये हैं।

इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स भी अपनी धमाके दार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इसके बाद भी वह कभी भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।इन दोनों के अलावा क्रिस गेल भी अपनी बल पर बड़ा स्कोर बनाते आये हैं पर वह भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये हैं।

आईपीएल में गेल ने फ्रेंचाइजी बदल-बदलकर कर देखा पर वह अपनी टीम को एक बार भी जीत नहीं दिला पाये। लीग में जमकर रन बनाने वाले गेल के नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हैं, जिनके करीब कोई अन्य बल्लेबाज नहीं पहुंच पाया है।

ट्रॉफी के साथ सीएसके प्रबंधन ने की तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स टीम (सीएसके) टीम प्रबंधन ने पांचवीं बार आईपीएल खिताब जीतने पर तिरुपति बालाजी मंदिर में विशेष पूजा करायी है। इस दौरान टीम प्रबंधन के सदस्य ट्रॉफी के साथ मंदिर पहुंचे। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के पुजारियों ने भी तमिल रीति-रिवाज के साथ ट्रॉफी की पूजा की। हालांकि इस दौरान खिलाड़ी वहां नहीं थे। सीएसके प्रबंधन पहले भी आईपीएल जीतने के बाद ट्रॉफी को मंदिर ले जाया करता था। यह सीएसके टीम मैनेजमेंट की परम्परा का ही एक हिस्सा है। फ्रैंचाइजी के मालिक एन. श्रीनिवासन ने भी टीम की जीत के तत्काल बाद मंदिर पहुंचकर भागवान बालाजी के दर्शन कर आभार प्रकट किया था।

वहीं फाइनल में मिली जीत को सीएसके फ्रैंचाइजी के मालिक एन. श्रीनिवासन ने 'चमत्कार' बताया था। उन्होंने कहा था कि दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में ही ऐसा कुछ हो सकता है। श्रीनिवासन ने फाइनल की अगली सुबह सुपरकिंग्स के कप्तान धोनी से बात की और इस शानदार जीत के लिए उन्हें और उनकी टीम को बधाई भी दी।

श्रीनिवासन ने धोनी से कहा, 'शानदार कप्तान। आपने करिश्मा कर दिया। आप ही ऐसा कर सकते हैं। हमें खिलाड़ियों और टीम पर गर्व है।' उन्होंने पिछले कुछ दिनों में लगातार मुकाबलों के बाद धोनी को आराम करने की सलाह दी और जीत का जश्न मनाने के लिए उन्हें टीम के साथ चेन्नई आने के लिए आमंत्रित किया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबले के लिए अभ्यास में लगे रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने सात जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले के लिए अभ्यास शुरु कर दिया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। इसके लिए दोनो ही टीमें तैयारियों में लगी हैं। इसी कड़ी में आईसीसी ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। इस वीडियो में रोहित मैदान में जमकर अभ्यास करते दिख रहे हैं। डब्ल्यूटीसी के मुकाबलों में अब तक रोहित खासे सफल रहे हैं। वह इसमें सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं जबकि विराट कोहली रन बनाने के नाम पर पहले नंबर पर हैं। रोहित ने इस टूर्नामेंट में 2019 से अबतक कुल 22 मुकाबले खेलते हुए 36 पारियों में 52.76 की औसत से 1794 रन बनाये हैं। डब्ल्यूटीसी में उनके नाम छह शतक और चार अर्द्धशतक भी शामिल हैं। उनका सबसे बेहतर रिकार्ड 212 रन रहा है। रोहित ने अबतक कुल 49 टेस्ट की 83 पारियों में 45.66 की औसत से 3379 रन बनाये हैं। उन्होंने नाम टेस्ट क्रिकेट में एक दोहरा शतक, नौ शतक और 14 अर्द्धशतक लगाये हैं।

हार के बाद रात भर नहीं सो पाये थे गुजरात के गेंदबाज मोहित

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहित शर्मा आईपीएल फाइनल में मिली हार से बेहद दुखी हैं। मोहित ने कहा कि वह फाइनल में मिली हार के बाद रात भर सो भी नहीं पाये थे। मोहित ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से अंतिम ओवर किया था और वह 13 रनों को नहीं बचा पये थे जिससे सीएसके ने ये मैच जीत लिया था। 34 साल के मोहित ने इसी साल वापसी करते हुए गुजरात की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। वह पिछले आठ से साल से भारतीय टीम से बाहर चल रहे थे। ऐसे में उनका मनोबल बढ़ा हुआ था। एक ही ओवर में दो विकेट लेकर उन्होंने गुजरात की मैच में वापसी भी करायी थी। थे। 20वें ओवर की शुरुआती चार गेंदों में उन्होंने केवल तीन रन ही दिए। मगर पांचवीं में छक्का और छठी में चौका मारकर सीएसके के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने उनके इरादों पर पानी फेर दिया। तब कप्तान हार्दिक पंड्या ने मोहित को गले लगाकर उनका हौंसला बढ़ाया। मोहित के अनुसार हार के बाद वह बेहद परेशान थे। अंतिम ओवर में मुझे क्या करना है ये साफ था। नेट्स में मैंने ऐसे हालातों में जमकर अभ्यास किया था। इससे पहले भी मैं ऐसे हालातों से गुजर चुका था इसलिए मैंने यॉर्कर को ही अपना हथियार बनाया। चार गेंद के बाद हार्दिक मुझसे बात करने आये। वह मेरी योजना जानना चाहते थे तब मैंने कहा कि मैं यॉर्कर ही फेकूंगा। मगर गेंद वहां गिरी, जहां उसे नहीं गिरना था। इससे जडेजा उसपर शॉट खेलने में सफल हो गये। वहीं अंतिम दो गेंदों में एक छक्का और फिर चौका मारकर हीरो बने रविंद्र जडेजा ने मैच के बाद कहा, मेरे दिमाग में बस यही चल रहा था कि मुझे बल्ला जोर से घुमाना है। गेंद कहां जाएंगी, मैं इसके बारे में नहीं सोच रहा था। मैंने अपने को बैक किया। मैं गेंद को सीधा मारना चाहता था क्योंकि जानता था कि मोहित स्लोअर भी बढ़िया डाल सकता है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में रहेंगे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जैसे हालात: स्मिथ

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर स्टीव स्मिथ को आशंका है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के दौरान ओवल मैदान के हालात बल्लेबाजों के अनुकूल हो सकते हैं। ऐसे में भारतीय टीम को लाभ हो सकता है। स्मिथ के अनुसार ओवल में मैच आगे बढ़ने पर उन्हें उसी तरह के हालातों का सामना करना पड़ेगा, जैसा भारत में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान देखने को मिला था। स्मिथ का संकेत ओवल में स्पिन गेंदबाजों को विकेट से सहायता मिलने की ओर है।

स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड में ओवल का मैदान बल्लेबाजी के लिए सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा, ओवल में बल्लेबाजी के अनुसार उछाल और रफ्तार अच्छी होती है। यहां आउटफील्ड भी तेज है। एक बार जम जाएं तो फिर बल्लेबाजी करना और आसान हो जाता है। स्मिथ ने आगे कहा कि जैसे-जैसे टेस्ट मैच आगे बढ़ेगा ओवल में स्पिन गेंदबाजों को पिच से भी सहायता मिलेगी। इसलिए मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया को ओवल में वैसे ही हालातों का सामना करना पड़ेगा, जैसा भारत में खेली गई पिछली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में करना पड़ा था।

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने इस साल फरवरी-मार्च में 4 टेस्ट की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत का दौरा किया था। भारत ने वो सीरीज 2-1 से जीती थी। सीरीज के पहले दो टेस्ट भारत ने जीते थे। इसके बाद तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की थी।

अंडर-20 विश्वकप क्वार्टर फाइनल में पहुंची अमेरिका

ब्यूनस आयर्स। अमेरिका की टीम न्यूजीलैंड को 4-0 से हराकर अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। अमेरिका ने अंतिम 16 के इस मैच में शुरू से लेकर अंत तक अपना प्रभाव बनाये रखा। अमेरिका की ओर से ओवन वोल्फ ने एक गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी। दूसरा गोल 61वें मिनट के बाद कैडे कोवेल ने किया। इसके बाद जस्टिन चे और रोकास पुकस्टास ने दो और गोल किये। अमेरिका टूर्नामेंट में एकमात्र ऐसी टीम है जिसके खिलाफ अभी तक एक भी गोल नहीं हुआ है। अब क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला गांबिया और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा

जून में इंटरकॉन्टिनेंटल और सैफ चैंपियनशिप खेलेगी भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली। एशियाई कप को देखते हुए भारतीय टीम भुवनेश्वर में नौ से 18 जून तक हीरो इंटरकॉन्टिनेंटल कप और बेंगलुरु में सैफ चैंपियनशिप में 21 जून से चार जुलाई तक खेलेगी। वहीं इस साल के अंत में भारतीय टीम थाईलैंड में किंग्स कप और मलेशिया में मर्डेका कप में भी शामिल होगी। वहीं (एआईएफएफ) के अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की योजना को मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे ने सही करार दिया और कहा है कि इससे टीम को लाभ होगा पर खिलाड़ियों के चोटिल होने की आशंकाएं भी बढ़ जाएंगी। राल्टे ने कहा, ''यह पहली बार है जब भारतीय टीम एक साल में इतने सारे मैच खेलेगी। इससे हमारे खिलाड़ियों को मैदान पर बेहतर तालमेल बिठाने में सहायता मिलेगी क्योंकि हम आमतौर पर अपने राष्ट्रीय टीम के साथ कम ही मैच खेलते हैं।'' इस युवा खिलाड़ी ने कहा, '' फुटबॉल एक टीम खेल है, इसलिए साथ रहना अहम है। इसमें ये जानने की जरूरत है कि कौन सा खिलाडी किस तरह से अवसर बनाना पसंद करता है और कहा गेंद चाहता है। ऐसे में हम उसके साथ जितना अधिक खेलेंगे। हमारा समन्वय बेहतर होता जाएगा।''

ऋषभ की नहीं होगी दूसरी सर्जरी, विश्वकप खेलने की संभावनाएं बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लेकर एक अच्छी खबर आई। कार हादसे में घायल हुए ऋषभ तेजी से ठीक हो रहे हैं और माना जा रहा है कि उनकी दूसरी सर्जरी की जरुरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में ऋषभ के विश्वकप खेलने की संभावनाएं भी बन रही हैं। इससे पहले कहा जा रहा था कि उनके दाएं घुटने की एक और सर्जरी होगी पर अब डॉक्टरों और मेडिकल टीम का मानना है कि वह तेजी से ठीक हो रहे हैं और उनकी दूसरी सर्जरी की जरुरत नहीं है। ऋषभ बैंगलोर स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी पहुंच गए हैं, जहां उनका रिहैब होगा।

वहीं बीसीसीआई ने कहा, एक और सर्जरी को लेकर तनाव था हर 15 दिन में उनकी रिकवरी पर नजर रखी गयी थी। अच्छी बात यह है कि, उनकी रिपोर्ट उम्मीद से ज्यादा बेहतर है। यह उनके लिए उत्साह की बात है। इससे साफ है कि वह तय समय से पहले मैदान पर वापसी करेंगे। पहले कहा जा रहा था रहा था कि वह इस साल विश्व कप के बाद खेलेंगे पर अब वह विश्व कप से पहले ही फिट हो सकते हैं।

वह अब बिना बैसाखी के सहारे भी चल रह हैं। अब उनका सुधार मुख्य रूप से उनके जोश और उत्साह पर निर्भर करेगा। इसके बाद वह शीघ्र ही ट्रेनिंग भी शुरू कर सकते हैं। इसी महीने ऋषभ ने अपना एक वीडियो भी ट्वीट किया था जिसमें लिखा था, हैप्पी नो मोर ऋचेज डे। गौरतलब है कि ऋषभ पिछले साल 30 दिसंबर को एक कार हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गये थे।

डब्ल्यूटीसी के लिए भारतीय क्रिकेटरों को अब टी20 प्रारुप से बाहर निकलना होगा

-टेस्ट प्रारुप के लिए मानसिक रुप से तैयार होना होगा

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के समाप्त होने के बाद अब क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें इसी साल 7 जून से इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनपशिप (डब्ल्यूटीसी) मुकाबले पर टिक गयी हैं। इसमें टीम इंडिया का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। ऐसे में अब भारतीय खिलाड़ियों को टी20 प्रारुप से निकलकर टेस्ट में खेलने अपने को मानसिक रुप से तैयार करना होगा। इसके लिए भारतीय टीम के कई खिलाड़ियों ने इंग्लैंड पहुंचकर तैयारी भी शुरू कर दी है। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली इंग्लैंड पहुंच गये हैं।

वहीं शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा,शमी जैसे अन्य खिलाड़ी भी अब शीघ्र ही लंदन रवाना होंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले से ही टेस्ट प्रारुप के हिसाब से तैयारियों में लगी है। भारतीय टीम ने हाल में ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट मैचों में हराया था पर डब्ल्यूटीसी में उसे कम नहीं माना जा सकता। इसका कारण ये है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल इंग्लैंड में आयोजित हो रहा है और वहां के हालत ऑस्ट्रेलियाई टीम के अधिक अनुकूल हैं। मिचेल स्टॉर्क की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्विंग लेती स्थिति में भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। टीम इंडिया के कई बल्लेबाजों का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे अच्छा बल्लेबाजी औसत अक्षर पटेल का है। उन्होंने 4 टेस्ट में 88.00 के औसत से 264 रन बनाये हैं जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं पर अक्षर को भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में जगह मिलना कठिन है। इसका कारण यह है कि इंग्लैंड में टीम इंडिया तीन तेज गेंदबाजों और दो स्पिनरों के संयोजन के साथ मैदान में उतर सकती है। ऐसे में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले रविन्द्र जडेजा को अक्षर पर वरीयता मिलना तय है।

डब्ल्यूटीसी के लिए अश्विन, रविंद्र जडेजा और ईशान को शामिल करे भारतीय टीम -पोंटिंग

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि अगले माह जून से इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम को अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और रविंद्र जडेजा को शामिल करना चाहिये। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर केएस भरत की जगह इशान किशन को रखना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि भारत को अगर ऑस्ट्रेलिया के ऊपर दबाव बनाना है, तो उन्हें अपनी टीम में जितना संभव हो, उतने मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी (एक्स-फैक्टर) खिलाड़ी को जगह देनी होगी। पोंटिंग के अनुसार जडेजा को नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए और उनसे ऊपर सुर्यकुमार यादव को मध्यक्रम की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 सीरीज के लिए मोहित को मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। आईपीएल के 16 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले मोहित शर्मा को अब टीम इंडिया में जगह की उम्मीद है। अब देखना है कि उन्हें 2024 टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिलती है या नहीं। मोहित ने अब जुलाई में वेस्टइंडीज और अमेरिका में भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है। हार्दिक पंडया भी मोहित से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने में सफल रहे और वह भी इस तेज गेंदबाज को राष्ट्रीय स्तर पर भी एक मौका देना चाहेंगे। मोहित सीएसके में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में खेलने के बाद 10 साल पहले भारतीय टीम में पहुंचे थे। मोहित ने पिछले महीने टाइटन्स के लिए अपना पदार्पण करने के तुरंत बाद कहा था, ''मैंने आईपीएल और भारतीय टीम के साथ करियर का सबसे ज्यादा हिस्सा माही भाई की अगुआई में खेला है। उनके नेतृत्व में ही मैंने अच्छे परिणाम हासिल किये हैं, इसलिये मेरा सर्वश्रेष्ठ निकालने का बड़ा श्रेय उन्हें ही जाता है। उन्होंने कहा था, ''लेकिन मेरे लिये अब यह ज्यादा मायने रखता है कि आप खेल का कितना आनंद उठाते हो। सीएसके के लिए 2013-2016 तक खेलना मेरे करियर का स्वर्णिम समय रहा लेकिन अगर माहौल की बात की जाये तो आईपीएल में यहां (टाइटन्स के साथ) यह सर्वश्रेष्ठ रहा है।

डब्ल्यूटीसी के लिए अश्विन, रविंद्र जडेजा और ईशान को शामिल करे भारतीय टीम -पोंटिंग

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि अगले माह जून से इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम को अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और रविंद्र जडेजा को शामिल करना चाहिये। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर केएस भरत की जगह इशान किशन को रखना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि भारत को अगर ऑस्ट्रेलिया के ऊपर दबाव बनाना है, तो उन्हें अपनी टीम में जितना संभव हो, उतने मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी (एक्स-फैक्टर) खिलाड़ी को जगह देनी होगी। पोंटिंग के अनुसार जडेजा को नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए और उनसे ऊपर सुर्यकुमार यादव को मध्यक्रम की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

2014 में आपने एक वोट से विश्वास को विकास में बदल दिया : पीएम मोदी

अजमेर, 31 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के दौरे पर हैं। पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद पीएम मोदी ने अजमेर में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। पीएम ने कहा कि कांग्रेस सरकार सीमा पर सड़के बनाने से भी डरती थी। महिलाओं के खिलाफ अपराध चरम पर थे। पीएम के ऊपर सुपर पावर थी। सरकार रिमोट कंट्रोल से चलती थी। नीतियां चौपट थी और युवाओं के सामने अंधकार था। घोर निराशा के इसी माहौल को 2014 में आपने एक वोट से विश्वास को विकास में बदल दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मुख्य विपक्षी पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने 50 साल पहले इस देश को गरीबी हटाने की गारंटी दी थी जो गरीबों के साथ कांग्रेस द्वारा किया गया सबसे बड़ा विश्वासघात है। प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की रणनीति रही है कि 'गरीबों को भरमाओं, गरीबों को तरसाओ।'

केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का नौ साल का कार्यकाल देशवासियों की सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत का यशगान हो रहा है। कायड़ विश्राम स्थली में जनसभा का आयोजन केंद्र में प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के कार्यकाल के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया। मोदी ने कहा, केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार के नौ साल भी पूरे हो गए हैं।

भाजपा सरकार के नौ साल देशवासियों की सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया में भारत का यशगान हो रहा है। आज दुनिया के बड़े बड़े विशेषज्ञ बोल रहे हैं कि भारत अति गरीबी को समाप्त करने के बहुत निकट है। आखिर ये बदलाव आया कैसे? इसका जवाब है... सबका साथ सबका विकास। इसका जवाब है वंचितों को वरीयता। मोदी ने कहा, कांग्रेस ने 50 साल पहले, इस देश को गरीबी हटाने की गारंटी दी थी और ये गरीबों के साथ किया गया कांग्रेस का सबसे बड़ा विश्वासघात है।

कांग्रेस की रणनीति रही है कि गरीबों को भरमाओं, गरीबों को तरसाओ। उन्होंने कहा, कांग्रेस को सिर्फ झूठ बोलना आता है और वह आज भी यही कर रही है। ये कांग्रेस ही है जो चार दशक तक 'वन पेंशन वन रैंक' के नाम पर हमारे पूर्व सैनिकों से विश्वासघात करती रही। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत व कैलाश चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी मौजूद थे। मोदी इससे पहले तीर्थ स्थल पुष्कर जाकर ब्रह्मा जी मंदिर में पूजा अर्चना की।

सेवक-रंगपो रेलवे लाइन परियोजना का 50 प्रतिशत से अधिक का काम पूरा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 31 मई । भारतीय रेल के महत्वकांक्षी सेवक-रंगपो रेलवे लाइन परियोजना का 50 प्रतिशत से अधिक काम पूरा होने हो चुका है और अगले वर्ष 2024 तक हिमालयी राज्य सिक्किम के राष्ट्रीय रेल मानचित्र का हिस्सा बनने की उम्मीद है। इस परियोजना के पूरा होने से देश को चीन सीमा से लगे सिक्किम में एक रणनीतिक महत्व का बुनियादी ढांचा प्राप्त होगा।

परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि पहाड़ों, नालों और तीस्ता नदी के ऊपर से गुजरते हुए पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी से सिक्किम में रंगपो तक हर मौसम में चालू रहने वाली 45 किमी लंबी इस निर्माणाधीन रेल लाइन में 14 सुरंगें और 22 पुल होंगे। इसका 41.45 किलोमीटर हिस्सा पश्चिम बंगाल में और 3.51 किलोमीटर सिक्किम में है।

परियोजना को कार्यान्वित करने वाले रेलवे के उपक्रम इरकॉन के परियोजना निदेशक मोहिंदर सिंह ने कहा कि सिस्मिक चार एवं पांच क्षेत्र में होने के कारण परियोजना में अत्यधिक सावधानी के साथ युद्धस्तर पर काम चल रहा है। इसके अलावा, यहां भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा हमेशा बना रहता है। हालांकि उन्होंने निर्माण कार्य में सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल रहने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य में इस रेल लाइन का गंगटोक तक विस्तार करने की भी योजना है।

वहीं, सिक्किम की चीन के साथ सटी अंतरराष्ट्रीय के मद्देनजर परियोजना के महत्व के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर इरकॉन निदेशक ने कहा कि यह सामरिक महत्व के साथ-साथ आर्थिक महत्व का बुनियादी ढांचा है। फिलहाल इसका 50 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। उन्होंने आगे बताया कि सुरंग के निर्माण और पुलों को बिछाने में महत्वपूर्ण सफलताएं मिली हैं और रंगपो स्टेशन के निर्माण से पहले दो किलोमीटर लंबी सुरंग (टी-14) को पूरा कर लिया गया है जबकि छह अपने अंतिम चरण में हैं।

पूर्वोत्तर सीमा रेल की इस परियोजना को सीमावर्ती राज्यों के लिए बेहतर रेल संपर्क की दिशा में एक बड़ा कदम बताते हुए सिंह ने आगे कहा कि एक बार जब परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे माल, खास कर आवश्यक वस्तुओं के परिवहन में व्यापक सुधार होगा। वर्तमान में खराब मौसम में पहाड़ी सड़क पर नियमित भूस्खलन से इसमें बाधा उत्पन्न होती रहती है। उन्होंने बताया कि

इस रेल खंड पर मालगाड़ी और यात्री दोनों ट्रेनें चलायी जाएंगी। ट्रैक की क्षमता 25 टन और ट्रेनों की गति अधिकतम 110 किमी प्रति घंटा की होगी। इसमें सेवक से रंगपो के बीच तीन स्टेशन रियांग, तीस्ता और मल्ली होंगे। तीस्ता स्टेशन भूमिगत होगा, जो भारतीय रेल के लिए पहला ऐसा स्टेशन है। वहीं सिंगल लाइन रूट पर माल ढुलाई के लिए यार्ड भी बनाए जा रहे हैं।

इरकॉन के एक दस्तावेज के मुताबिक, 45 किलोमीटर लंबी रेल लाइन में 86 फीसदी या 38.62 किलोमीटर सुरंगें हैं, 2.24 किलोमीटर में 13 बड़े और नौ छोटे पुल हैं। यह न केवल राष्ट्रीय और सामरिक महत्व की परियोजना है बल्कि एक तकनीकी और इंजीनियरिंग चमत्कार है।

इसी दौरान, दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट ने इस रेल लाइन परियोजना के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर बंगाल सिक्किम का यह पूरा क्षेत्र चार देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटा है। 'चिकन नेक' के नाम से मशहूर यह हिस्सा बहुत ही संवेदनशील है। ऐसे में इस परियोजना से यहां रेल कनेक्टिविटी में सुधार के अलावा सुरक्षा के दृष्टिकोण से एक बड़ी बढ़त प्राप्त होगी, जिससे सैनिकों की आवाजाही में मदद मिलेगी। उनके अनुसार, इस रेल मार्ग से सिलीगुड़ी से रंगपो के बीच के यात्रा समय में एक घंटे तक कमी आएगी।

हालांकि, इस परियोजना में हुई देरी के संबंध में इरकॉन ने पश्चिम बंगाल में पड़ने वाले फॉरेस्ट डिवीजनों के विलंब, महानंदा वन्यजीव अभयारण्य में सर्वेक्षण की अनुमति, फॉरेस्ट लैंड के डायवर्जन और कोविड-19 से जुड़े कारकों को जिम्मेदार बताया। गौरतलब है कि मई 2010 में 4,084.69 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली यह परियोजना इरकॉन इंटरनेशनल को प्रदान की गई थी, जिसकी समय सीमा मई 2015 थी। लेकिन अब जहां इसकी समय सीमा दिसंबर 2024 तक बढ़ा दी गई है, वहीं इसकी लागत को भी बढ़ाकर 12,474.07 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

पीएम मोदी अपने दोस्तों को बेच रहे देश की संपत्ति : खड़गे

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार ने अपने नौ साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। इस मौके पर भाजपा जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित कर रही है। वहीं, कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार देश की संपत्ति अपने दोस्तों को बेच रहे हैं।

खड़गे ने कहा देश की संपत्ति को अपने मित्रों को बेचना सबसे बड़ा राष्ट्र विरोधी अधिनियम है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार द्वारा अपने दोस्तों को देश की संपत्ति और सार्वजनिक उपक्रमों की 'आगमन बिक्री' सबसे बड़ा 'राष्ट्र-विरोधी' अधिनियम है।

उन्होंने कहा कि सरकार लोगों से रोजगार छीन रही है। यह आरक्षण के रूप में भारत के गरीबों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से रोजगार के अवसर छीन रही है।

इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को सत्ता में नौ साल पूरे होने पर सरकार पर निशाना साधा था और 'महंगाई' के जरिए लोगों की कमाई को 'लूटने' का आरोप लगाया। खड़गे ने हिन्दी में एक ट्वीट में सरकार पर हमला करते हुए कहा था कि नौ साल में जानलेवा महंगाई से भाजपा ने लूटी जनता की कमाई! जीएसटी ने हर जरूरी चीज पर असर डाला, बजट बिगाड़ दिया, जीना दुश्वार कर दिया।

खड़गे ने कहा कि अहंकार का दावा महंगाई दिखाई नहीं देती' या 'हम इतनी महंगी चीज खाते ही नहीं'। 'अच्छे दिन' से 'अमृत काल' तक का सफर, महंगाई की मार से जनता की लूट बढ़ी है!

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यालय में नौवें वर्ष के दौरान, कांग्रेस ने उनसे बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी और किसानों की आय जैसे मुद्दों पर नौ सवाल पूछे और उनके 'विश्वासघात' के लिए माफी की मांग की। विपक्षी दल ने यह भी कहा था कि सरकार को अपनी वर्षगांठ के दिन को 'माफी दिवस' के रूप में याद किया जाना चाहिए।

विपक्ष ने गौरव के क्षण को 'विरोध' की भेंट चढ़ा दिया : पीएम मोदी

अजमेर, 31 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने को लेकर बुधवार को कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया और कहा कि ऐसा करके उन्होंने ना सिर्फ देश की भावनाओं और आकांक्षाओं का अपमान किया बल्कि भारत के गौरव के क्षण को भी अपने स्वार्थी 'विरोध' की भेंट चढ़ा दिया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने यह आरोप भी लगाया कि भारत की कामयाबी विपक्षी दलों को पच नहीं रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में देश की हर सफलता के पीछे भारत के लोगों की मेहनत है और देश को आगे ले जाने के लिए हर भारतवासी ने जो संकल्प दिखाया है, वह अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि महामारी के बावजूद बाद देश की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुंची और आज दुनिया कह रही है यह दशक भारत का दशक है, यह सदी भारत की सदी है। मोदी ने कहा, लेकिन भारत की उपलब्धियां, भारत के लोगों की यह कामयाबी कुछ लोगों को पच नहीं रही है।

उन्होंने गत रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए जनता से सवाल किया कि इससे उन्हें गर्व का अनुभव हुआ कि नहीं हुआ? इस दौरान उत्साही भीड़ ने 'हां-हां' कहकर जवाब दिया। इस पर मोदी ने कहा, लेकिन कांग्रेस और उसके जैसे कुछ दलों ने इस पर भी राजनीति का कीचड़ उछाला। कई-कई पीढ़ियों के जीवन में ऐसे अवसर एक बार ही आते हैं। लेकिन कांग्रेस ने भारत के गौरव के क्षण को भी अपने स्वार्थयुक्त विरोध की भेंट चढ़ा दिया।

मोदी ने आरोप गया कि कांग्रेस ने 60,000 श्रमिकों के परिश्रम और देश की भावनाओं व आकांक्षाओं

का अपमान किया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को गुस्सा इस बात का है कि 'एक गरीब का बेटा' उनके अहंकार के आड़े आ रहा है, उनकी मनमानी चलने नहीं दे रहा है और उनके भ्रष्टाचार तथा परिवारवाद पर सवाल खड़े कर रहा है। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराने की मांग की थी और ऐसा ना होने पर उन्होंने उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया था।

मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया और इस अवसर पर उन्होंने इसे 140 करोड़ भारतीय नागरिकों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब करार दिया। उन्होंने कहा था कि यह इमारत समय की मांग थी और इसके कण-कण से एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के दर्शन होते हैं।

माइक्रो सिंचाई सेट एवं प्रति बूंद अधिक फसल पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

मंगन, 31 मई । जिले के पासिंगडांग ब्लॉक अंतर्गत लिंगदेम क्लस्टर में आज प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत माइक्रो सिंचाई सेट एवं प्रति बूंद अधिक फसल पर एकदिवसीय जागरुकता कार्यक्रम सह वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सोनम किपु भूटिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उनके अलावा, कार्यक्रम में जिला पंचायत श्रीमती निमचुंग लेप्चा, पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चुकित लेख्रचा, लिंगदेम जीपीयू पंचायत सदस्य, उप कृषि निदेशक पदम गुरूंग एवं अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में उप कृषि निदेशक पदम गुरूंग ने पीएमकेएसवाई योजना के महत्व और क्लस्टर के किसानों के लिए माइक्रो सिंचाई सुविधाओं पर प्रकाश डाला। वहीं जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सोनम किपु भूटिया ने विभिन्न विभागों की योजनाओं का विवरण देते हुए किसानों से उनका पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया।

इसके अलावा उन्होंने कृषि व बागवानी विभाग के तहत उत्पादन प्रोत्साहन योजनाओं पर भी प्रकाश डाला और क्लस्टर के किसानों को इसका लाभ लेने हेतु विभिन्न कृषि व बागवानी फसलों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया। इस दौरान, उपस्थित 230 किसानों को 1000 लीटर के एलडीपीई टैंक और अन्य माइक्रो सिंचाई सेट वितरित किए गए।

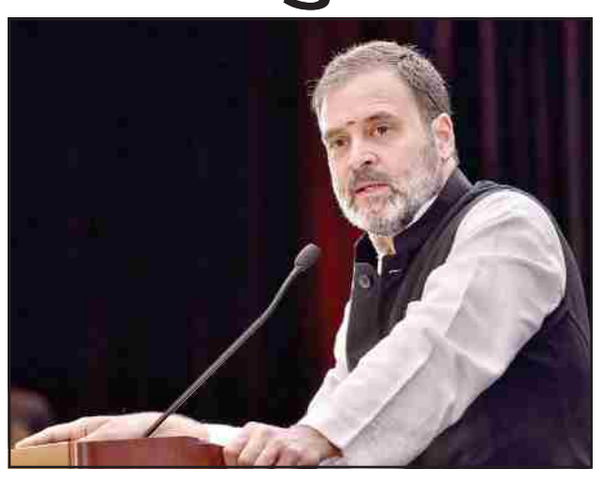

नया संसद भवन ध्यान भटकाने के लिए है, बीजेपी वास्तविक मुद्दों पर चर्चा नहीं कर सकती : राहुल गांधी

सैन फ्रांसिस्को, 31 मई (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नए संसद भवन में सांसदों के बैठने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाने के बारे में बात करते हुए कहा कि यह ध्यान भटकाने के लिए है क्योंकि भाजपा बेरोजगारी जैसे वास्तविक मुद्दों पर चर्चा नहीं कर सकती।

यहां मंगलवार को प्रवासी भारतीयों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, मुझे यह देखना होगा कि वे इसे कैसे करने के बारे में सोच रहे हैं। देश के प्रतिनिधित्व ढांचे को बदलते समय बेहद सावधानी की जरूरत है। मैं यह समझना चाहूंगा कि वे 800 की संख्या पर कैसे पहुंचे और वे किस मापदंड का उपयोग कर रहे हैं।

केरल के वायनाड से पूर्व लोकसभा सांसद ने कहा, भारत एक संवाद है। यह अपनी भाषाओं, लोगों, इतिहास और संस्कृतियों संतुलन है, और यह संतुलन निष्पक्ष होना चाहिए। मतलब भारत के सभी हिस्सों, भारत के सभी राज्यों को महसूस होना चाहिए कि इस प्रक्रिया में निष्पक्षता है।

उन्होंने कहा, जब मैं देखूंगा कि वे वास्तव में 800 की संख्या पर कैसे पहुंच रहे हैं तो मैं जवाब दे सकूंगा कि मैं 800 की संख्या से सहमत हूं या नहीं। लेकिन मैंने यह नहीं देखा है कि उन्होंने इसकी गणना कैसे की है।

उन्होंने कहा, यह निर्भर करता है कि अनुपात कैसे बदलते हैं। यह वर्तमान में जनसंख्या पर आधारित है। मुझे लगता है कि संसद भवन ध्यान भटकाने का जरिया है। भारत में वास्तविक मुद्दे बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि, क्रोध और घृणा का प्रसार, चरमराती शिक्षा प्रणाली, स्वास्थ्य सुविधाओं की ऊंची कीमत हैं। भाजपा वास्तव में इन मुद्दों पर चर्चा नहीं कर सकती, इसलिए उन्हें 'राजदंड' जैसे काम करने पड़ते हैं, षष्टांग आदि करना पड़ता है।

सैंटा क्लैरा विश्वविद्यालय में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान वह नव उद्घाटित संसद भवन में 888 सीटों के प्रावधान के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। साथ ही यह भी पूछा गया था कि क्या जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व उचित है।

राहुल गांधी अमेरिका के छह दिवसीय दौरे पर हैं और वह कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और वाशिंगटन डीसी में कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि समझाने का सबसे अच्छा तरीका है - यह नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान है।

इस सवाल का जवाब देते हुए कि वह मुसलमानों को क्या उम्मीद देंगे, राहुल गांधी ने कहा, इसे मुस्लिम समुदाय सबसे अधिक दृढ़ता से महसूस करता है क्योंकि यह सबसे सीधे उनके साथ किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह सभी अल्पसंख्यकों के लिए किया जाता है और उसी तरह आपकी भावनाओं पर हमला किया जाता है। मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं कि सिख, ईसाई, दलितों और गरीब भी ऐसा ही सोचते हैं।

उन्होंने कहा, आज भारत में जो भी गरीब है, वह ऐसा ही महसूस करता है। अगर वह चंद लोगों के पास बहुत सा धन देखता है, तो वह उसी तरह महसूस करता है जैसा आप महसूस करते हैं। यही चल रहा है। यह कैसे है कि इन पांच लोगों के पास लाखों करोड़ हैं, और मेरे पास खाने के लिए कुछ भी नहीं है। आप इसे सबसे अधिक

महसूस करते हैं क्योंकि यह अधिक प्रत्यक्ष रूप से आप पर निर्देशित है लेकिन यह वास्तविकता है। और आप घृणा को घृणा से नहीं काट सकते, यह असंभव है। आप इसे केवल प्रेम से काट सकते हैं और और भारत में नफरत मिटाना कितना आसान था।

मैंने नहीं सोचा था कि यात्रा निकालने से इसका इतना असर होगा। लोग एक-दूसरे से नफरत करने में विश्वास नहीं करते, मारने में विश्वास नहीं करते। यह लोगों का एक छोटा समूह है, जिनके पास व्यवस्था, मीडिया का नियंत्रण है और जिन्हें बड़े पैसे वालों का पूरा समर्थन है।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
पश्चिम बर्धमान निवासी ने
₹ 1 करोड़ जीते

पश्चिम बर्धमान, पश्चिम बंगाल के श्री अनंदा माजी ने 26.03.2023 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 86J 01515 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''एक करोड़पति बनना काफी उत्साहित करने वाला है और मैं अपनी खुशियां और आनन्द व्यक्त नहीं कर पा रहा था। मेरे जीवन में ढेर सारे सपने हैं। हमारे हरेक सपने को पूरा करने के लिए हमें पैसे की जरूरत है। अब भगवान ने मुझे अपने सारे सपने पूरे करने और एक आर्थिक रूप से मजबूत जिंदगी पाने का एक रास्ता दिखाया है। इस बेहतरीन अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देता हूं।'' विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com